राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार 10अगस्त-2021 वर्ष-4, अंक - 198 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ओबीसी आरक्षण पर सरकार के साथ आया विपक्ष

संविधान संशोधन विधेयक का करेगा समर्थन

● राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को बताया कि सभी विपक्षी पार्टियां 127वें संविधान संशोधन विधेयक का समर्थन करने को तैयार है। उन्होंने संसद भवन में आज हुई विपक्षी दलों की बैठक के बाद यह जानकारी दी। खड़गे ने बताया कि इस बैठक में विपक्षी पार्टियों ने सरकार के साथ सहयोग करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, यह संशोधन राज्यों के उस अधिकार को बहाल करने के लिए किया जा रहा है जिससे वे सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों को अधिसूचित कर सकें।

नई दिल्ली। हंगामे और शोर-शराबे के बीच चल रहे संसद के मॉनसून सत्र का आखिरी हफ्ता शुरू हो गया है। इस दौरान मोदी सरकार अहम बिल पास करवाने की कोशिश कर रही है और इनमें सबसे ऊपर ओबीसी आरक्षण से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक है। केंद्र सरकार इस विधेयक को सोमवार को लोकसभा में पेश करेगी और अब विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने भी ऐलान किया है कि वह इस बिल के समर्थन में है। अगर बिल पास हो जाता है तो एक बार फिर से राज्यों को ओबीसी सूची में किसी जाति को अधिसूचित करने का अधिकार मिल जाएगा।

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को बताया कि सभी विपक्षी पार्टियां 127वें संविधान संशोधन विधेयक का समर्थन करने को तैयार है। उन्होंने संसद भवन में आज हुई विपक्षी दलों की बैठक के बाद यह जानकारी दी। खड़गे ने बताया कि इस बैठक में विपक्षी पार्टियों ने सरकार के साथ सहयोग करने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा, यह संशोधन राज्यों के उस अधिकार को बहाल करने के लिए किया जा रहा है जिससे वे सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों को अधिसूचित कर सकें। उन्होंने आगे कहा, इस देश में आधी से ज्यादा आबादी पिछड़े समुदाय से है। बिल पेश किया जाएगा, इस पर चर्चा होगी और उसी दिन यह पास कर दिया जाएगा।

बता दें सुप्रीम कोर्ट ने इसी साल 5 मई को दिए अपने फैसले में कहा था कि ओबीसी सूची तैयार करने का अधिकार सिर्फ केंद्र के पास है।

संशोधन विधेयक पास होने से क्या होगा असर?

संसद में संविधान के अनुच्छेद 342-ए और 366(26) सी के संशोधन पर अगर मुहर लग जाती है तो इसके बाद राज्यों के पास ओबीसी सूची में अपनी मर्जी से जातियों को अधिसूचित करने का अधिकार होगा। महाराष्ट्र में मराठा समुदाय, हरियाणा में जाट समुदाय, गुजरात में पटेल समुदाय और कर्नाटक में लिंगायत समुदाय को ओबीसी वर्ग में शामिल होने का मौका मिल सकता है। लंबे समय से ये जातियां आरक्षण की मांग कर रही हैं। इनमें से मराठा समुदाय को महाराष्ट्र देवेंद्र फडणवीस सरकार ने आरक्षण दिया भी था लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने 5 मई को दिए फैसले में इसे खारिज कर दिया था।

नासा ने मंगल ग्रह जैसे ठिकाने पर एक साल तक रहने के लिए मांगे आवेदन

नई दिल्ली। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मंगल ग्रह जैसे ठिकाने पर एक साल तक रहने के लिए चार लोगों के आवेदन मांगे हैं। यदि आप धरती पर रहते-रहते ऊब गए हैं, तो नासा आपको सुनहरा मौका दे रहा है। दरअसल, नासा मंगल ग्रह पर अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने से पहले उन्हें भविष्य के मिशनों की वास्तविक चुनौतियों के लिए तैयार करना चाहता है।

नासा एक साल के लंबे मिशन के लिए चालक दल के चार सदस्यों की कर रहा है भर्ती

नासा पहले मानव मंगल मिशन की तैयारी में कर रहा है और इसके लिए अमेरिकी एजेंसी ने धरती पर ही मंगल ग्रह के वातावरण जैसा एक विशेष निवास स्थान तैयार कर लिया है। इसमें एक साल के लंबे मिशन के लिए चालक दल के चार सदस्यों की भर्ती कर रहा है और इसके लिए इच्छुक लोगों से शुक्रवार से आवेदन लेना भी शुरू किया है।

अमेरिका के ह्यूस्टन स्थित जानसन स्पेस सेंटर की एक इमारत में 3डी-प्रिंटर से निवास स्थान तैयार किया है। यह 1,700 वर्ग फीट का मंगल ग्रह जैसा निवास बनाया गया है। बता दें कि मार्स ड्यून अल्फा नाम के इस विशेष निवास में चार लोगों को एक साल तक रखा जाएगा। इस दौरान मंगल ग्रह के वातावरण में मानव पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया जाएगा, ताकि असली मंगल ग्रह पर मानव मिशन भेजने से पहले इन चुनौतियों से निपटने के उपाय तलाशे जा सकें।

नासा मंगल ग्रह पर भावी मिशन की वास्तविक चुनौतियों से लड़ने के लिए कर रहा तैयारी

अमेरिकी स्पेस एजेंसी ने अपने एक बयान में कहा है कि मंगल ग्रह पर होने वाले मिशन की वास्तविक चुनौतियों की तैयारी में, नासा यह अध्ययन करेगी कि अत्यधिक उत्साहित व्यक्तियों पर जमीन पर तैयार किए गए मंगल ग्रह जैसे कठोर वातावरण में लंबे समय तक रहने पर क्या प्रभाव पड़ता है।

दुश्मनों की अब खैर नही

पूर्वी लद्दाख के ऊंचाई वाले इलाकों में चलेगा ऑपरेशन, भारतीय सेना की टैंक रेजिमेंट पूरी तरह तैयार

नई दिल्ली। भारतीय सेना द्वारा पूर्वी लद्दाख के ऊंचाई वाले इलाकों में बड़े पैमाने पर अपने टैंकों की तैनाती शुरू करने के एक साल से अधिक समय के बाद अब टैंक रेजिमेंटों ने इस क्षेत्र में ऑपरेशन चलाने के लिए कमर कस ली है। इसके तहत इस रेजिमेंट के जवानों ने इस क्षेत्र में 14,000 फीट से 17,000 फीट की ऊंचाई पर अपनी मशीनों का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए अपनी मानक संचालन प्रक्रियाओं को और भी अधिक विकसित किया है। भारतीय सेना ने टी-90 भीष्म और टी-72 अजय टैंकों के साथ-साथ रेगिस्तान और मैदानी इलाकों में तैनात बीएमपी सीरीज इन्फैंट्री कॉम्बैट व्हीकल्स को भी इन ऊंचाई वाले स्थानों में बड़े पैमाने पर लाना शुरू कर दिया है। वहीं सेना के एक अधिकारी ने एएनआई को बताया कि हम पहले ही पूर्वी लद्दाख में इन ऊंचाइयों पर -45 डिग्री तक तापमान का अनुभव करते हुए एक साल बिता चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमने इन तापमानों और कठोर इलाकों में टैंकों को संचालित करने के लिए अपने एसओपी विकसित किए हैं। अधिकारी ने कहा कि भारत और चीन के बीच पैंगोंग झील और गोगरा जैसे ऊंचाई वाले कुछ स्थानों पर डिसइंगेजमेंट के बावजूद, दोनों पक्षों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बड़ी संख्या में सैनिकों को बनाए रखना जारी रखा है। चीन पर नजर बनाए रखने के लिए भारतीय सेना ने इन क्षेत्रों में किसी भी खतरे या चुनौती से निपटने के लिए टैंक और आईसीवी के साथ अपने अभियानों को मजबूत करना जारी रखा है। गौरतलब है कि भारतीय सेना ने पिछले साल टैंक शेल्टर सहित टैंक संचालन को और मजबूत बनाने के लिए एक बड़ा बुनियादी ढांचा बनाया है जिससे कि सर्दियों के दौरान मशीनों को खुले में रखने से बचाव होगा। अधिकारियों ने कहा कि अब हमलोग इन टैंकों के रखरखाव पर जोर दे रहे हैं क्योंकि अत्यधिक सर्दियां रबर और अन्य भागों पर प्रभाव डाल सकती हैं।

दिल्ली सरकार द्वारा जीनोम सिक्वेंसिंग लिए भेजे गए 80 फीसदी नमूनों में मिला डेल्टा वैरिएंट

दिल्ली। दिल्ली सरकार द्वारा पिछले तीन महीने में जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए भेजे गए नमूनों में कोरोना का डेल्टा वैरिएंट ज्यादातर वायरस से पीड़ित लोगों में पाया गया है। दिल्ली सरकार के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार पिछले तीन महीनों में जीनोम सिक्वेंसिंग लिए भेजे गए 80 फीसदी नमूनों में डेल्टा वैरिएंट मिला है। राजधानी के लिए कोविड प्रबंधन नीतियां तैयार करने वाला दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने एक बैठक में स्वास्थ्य विभाग के साथ साझा किया कि जुलाई में दिल्ली में जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए भेजे गए 83.3 फीसदी नमूनों में डेल्टा वैरिएंट (बी.1.617.2) का पता चला है। साथ ही मई और जून में 81.7 फीसदी और 88.6 फीसदी नमूनों में वैरिएंट पाया गया था और अप्रैल में 53.9 फीसदी सैंपल में डेल्टा वैरिएंट मिला था। डेटा से यह भी पता चला है कि अब तक राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) में दिल्ली के 5,752 नमूनों में से 1,689 में डेल्टा संस्करण पाया गया। 947 नमूनों में अल्फा संस्करण (बी.1.1.7) का पता चला है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अल्फा और डेल्टा

दोनों वैरिएंट को चिंताजनक वैरिएंट के रूप में वर्गीकृत किया है। डेल्टा वैरिएंट की पहचान भारत में दिसंबर 2020 में की गई थी और बाद में 95 से अधिक देशों में इसका पता चला है। बता दें कि कोरोना की दूसरी लहर में डेल्टा वैरिएंट प्रमुख वजह रहा, जिसने देश में लाखों लोगों को संक्रमित किया और हजारों लोगों की जान ली। वहीं अल्फा वैरिएंट को पहली बार ब्रिटेन में पिछले साल खोजा गया था। दिल्ली में रविवार को बीते 24 घंटे के दौरान कोरोना वायरस संक्रमण से एक भी मौत नहीं हुई। राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना से कुल मौतों का आंकड़ा 25,066 है। एक हफ्ते में यह तीसरी बार है जब 24 घंटे के दौरान एक भी मौत नहीं हुई। दो अगस्त और चार अगस्त को भी कोरोना से मौतों की संख्या शून्य थी। दिल्ली में 24 घंटे में 66 नए मामले सामने आए। महाराष्ट्र में डेल्टा प्लस के मामलों की संख्या 21 से 45 तक पहुंच गई है। इसमें 27 आदमी और 18 औरत शामिल हैं। राज्य स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा कि हम मरीजों के टीकाकरण, बीमारियों और ट्रैकिंग के बारे में जानकारी एकत्र कर रहे हैं, ट्रेसिंग ऑपरेशन जारी है। चिंता का कोई कारण नहीं है।

मानवाधिकार हनन और शारीरिक यातनाओं का सबसे ज्यादा खतरा पुलिस थानों में है-CJI एनवी रमन

नई दिल्ली। पुलिस स्टेशन मानवाधिकारों एवं मानवीय सम्मान के लिए सबसे बड़ा खतरा है। ये बातें उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एन वी रमन ने रविवार को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के मोबाइल ऐप शुरू किये जाने के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि मानवाधिकारों के हनन और शारीरिक यातनाओं का सबसे ज्यादा खतरा थानों में है। थानों में गिरफ्तार या हिरासत में लिए गए व्यक्तियों को प्रभावी कानूनी सहायता नहीं मिल पा रही है जबकि इसकी बेहद जरूरत है। देशभर के थानों में मानवाधिकारों के उल्लंघन की स्थिति पर चिंता जताते हुए न्यायमूर्ति रमन ने कहा, हिरासत में यातना सहित अन्य पुलिस अत्याचार ऐसी समस्याएं हैं जो अब भी हमारे समाज में व्याप्त हैं। संवैधानिक घोषणाओं और गारंटियों के बावजूद गिरफ्तार या हिरासत में लिए गए व्यक्तियों को प्रभावी कानूनी सहायता नहीं

● मानवाधिकारों के हनन और शारीरिक यातनाओं का सबसे ज्यादा खतरा थानों में है। थानों में गिरफ्तार या हिरासत में लिए गए व्यक्तियों को प्रभावी कानूनी सहायता नहीं मिल पा रही है जबकि इसकी बेहद जरूरत है।

मिल पाती है, जो उनके लिए बेहद नुकसानदायक साबित होता है। उन्होंने कहा कि देश का वंचित वर्ग न्याय की व्यवस्था के दायरे से बाहर है। यदि न्यायपालिका को ग़रीबों और वंचितों का भरोसा जीतना है तो उसे साबित करना होगा कि वह उन लोगों के लिए सहज उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि पुलिस की ज्यादतियों को रोकने के लिए कानूनी सहायता के संवैधानिक अधिकार और मुफ्त कानूनी सहायता सेवाओं की उपलब्धता के बारे में जानकारी लोगों तक पहुंचाने के लिए इसका व्यापक प्रचार-प्रसार आवश्यक है। इस मौके पर नालसा के कार्यकारी अध्यक्ष एवं साथी न्यायाधीश उदय उमेश ललित भी मौजूद थे।

कोरोना को हराने के लिए केरल में शुरू सामूहिक टीकाकरण अभियान, 31 अगस्त तक चलेगा कैंपेन

नई दिल्ली। केरल में कोरोना का कहर सबसे ज्याद देखने को मिल रहा है। कोविड-19 मामलों की लगातार बढ़ रही संख्या को देखते हुए राज्य सरकार ने सोमवार से बड़े पैमाने पर टीकाकरण का अभियान शुरू करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के मुताबिक यह अभियान 9 से 31 अगस्त तक चलेगा। टीकाकरण अभियान में स्नातकोत्तर छात्रों, निम्न प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों और अंतिम वर्ष के छात्रों पर खास ध्यान दिया जाएगा। इसके अलावा वरिष्ठ नागरिकों के लिए टीकाकरण की पहली खुराक 15 अगस्त तक पूरी कर ली जाएगी। कॉमरेडिटी वाले मरीजों को घर पर ही टीका लगाया जाएगा।

मुख्यमंत्री विजयन ने कहा था कि राज्य सरकार टीकों की 20 लाख खुराक

खरीदेगी और उन्हें उसी दर पर निजी अस्पतालों को मुहैया कराएगी।÷ मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सब इसलिए किया जा रहा है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग टीका लगवाएं। उन्होंने वाणिज्यिक संस्थानों और सार्वजनिक संगठनों से स्थानीय लोगों के लिए टीकों की व्यवस्था करने का भी आग्रह किया। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने पिछले हफ्ते घोषणा की कि राज्य में 1.5 करोड़ से अधिक लोगों को कोविड -19 वैक्सीन की पहली खुराक दी गई है, जो केरल की आबादी का 42.82 प्रतिशत है।

लागू होंगे कड़े निर्देश

राज्य सरकार भी 11 अगस्त से नए और कड़े दिशा-निर्देशों को लागू करने जा रही है। नए दिशानिर्देशों के अनुसार, केवल वे लोग जिन्होंने टीके की कम से कम एक खुराक ली है या जिनके पास 72 घंटे पहले आरटी-पीसीआर नकारात्मक प्रमाण पत्र हैं। दुकानों, बाजारों, बैंकों और पर्यटन स्थलों में प्रवेश कर सकते हैं।

यह नियम राज्य में आने वाले श्रमिकों और आगंतुकों दोनों पर लागू होगा। रविवार को केरल में 18,607 मामले सामने आए, पिछले एक सप्ताह में यह पहली बार है जब दैनिक मामलों की संख्या 20 हजार के नीचे आई है. राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, सकारात्मकता दर 13.87 प्रतिशत है।

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनकी मां पर करोड़ों की ठगी का आरोप

मुंबई पहुंची लखनऊ पुलिस

लखनऊ। फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी व उनकी मां पर करोड़ों की ठगी के मामले में फंसती जा रही हैं। आयोसिस स्लिमिंग स्किन सैलून व स्पा नाम से शिल्पा शेटटी व उनकी मां सुनंदा शेट्टी ने कंपनी खोली। इनकी शाखा राजधानी में खुलवाने के नाम पर कंपनी के जिम्मेदार अधिकारियों ने कई लोगों से संपर्क किया। उनसे सेंटर देने के नाम पर करोड़ों रुपये वसूले थे। इस मामले में विभूतिखंड थाने में ओमेक्स हाइट्स निवासी ज्योत्सना चौहान और हजरतगंज थाने में रोहित वीर सिंह ने ठगी के नाम पर मुकदमा दर्ज कराया था। दोनों मामलो की विवेचना तेज हो गई है। जिसमें शिल्पा व उनकी मां सुनंदा की भूमिका भी सामने आ रही है। इस संबंध में हजरतगंज पुलिस ने जहां एक महीने पहले नोटिस भेजा था। वहीं विभूतिखंड पुलिस की टीम भी नोटिस तामिल कराने पहुंच रही है। उधर, डीसीपी पूर्वी की एक विशेष टीम अलग से जांच के लिए मुंबई पहुंच गई है। जांच में भूमिका स्पष्ट होने पर दोनों की गिरफ्तारी भी की जा सकती है। विभूतिखंड थानाक्षेत्र के ओमेक्स हाईट्स निवासी ज्योत्सना चौहान ने पिछले साल जून में मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें आरोप लगाया कि उनसे वेलनेस सेंटर खोलने के नाम पर उनसे आयोसिस कंपनी के किरन वावा, विनय

भसीन, अनिका चतुर्वेदी, इशरफिल, नवनीत कौर, आशा, पूनम झा सहित कई लोगों पर करीब ढाई करोड़ रुपये दो बार में वसूले। वहीं सेंटर खोलने के लिए कंपनी के लोगों ने ही सामान भेजा। जिसके बदले में रुपये वसूले। इसके लिए कई फर्जी दस्तावेजों का प्रयोग किया गया। सेंटर के उद्घाटन में सेलिब्रेटी के आने की बात कही गई थी। लेकिन उद्घाटन के कुछ समय पहले ही इस वायदे से मुकर गये। पीड़ित के मुताबिक कंपनी ने उसे काफी नुकसान पहुंचाया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। वहीं हजरतगंज थाने में रोहित वीर सिंह ने भी मुकदमा दर्ज कराया। जिसमें पुलिस ने विवेचना के दौरान शिल्पा शेटूटी व उनकी मां सुनंदा शेट्टी को एक महीने पहले ही बयान दर्ज कराने के लिए नोटिस जारी किया था। लेकिन दोनों ने अपना बयान दर्ज नहीं कराया। जल्द ही हजरतगंज पुलिस भी दोबारा दोनों सेलीब्रेटी का बयान दर्ज कराने के लिए मुंबई जा सकती है। एसीपी विभूतिखंड अनूप सिंह के मुताबिक ज्योत्सना चौहान के मुकदमे की विवेचना वेब चौकी प्रभारी द्वारा की जा रही थी। इस दौरान पीड़ित पक्ष द्वारा उपलब्ध कराए गये साक्ष्य के आधार पर मुकदमे में फर्जी दस्तावेज तैयार करने की धाराएं बढ़ाई गई थीं। इसके कुछ दिन बाद इस मुकदमें की विवेचना विभूतिखंड थाने से चिनहट भेज दिया गया। अब इसकी विवेचना बीबीडी चौकी प्रभारी कर रहे हैं। वही इस हाईप्रोफाइल केस की मॉनिटरिंग खुद डीसीपी पूर्वी संजीव सुमन कर रहे हैं। उन्होंने इस मामले के संबंध में साक्ष्य जुटाने के लिए एक पुलिस टीम मुंबई भेजी है। वहीं विवेचक बीबीडी चौकी प्रभारी फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी व उनकी मां सुनंदा शेट्टी को बयान दर्ज कराने व अन्य बिंदुओं पर पड़ताल के लिए मुंबई सोमवार को रवाना होंगे। एसीपी के मुताबिक मामला काफी हाईप्रोफाइल और संवेदनशील है। ऐसे में हर पहलुओं की जांच की जा रही है। साक्ष्य जुटाने के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी भी की जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

आजादी का अमृत-महोत्सव

ऐसे वक्त में जब देश आजादी का अमृत-महोत्सव मनाने की ओर कदम रख रहा है, भारत के स्वतंत्रता सेनानियों का पुण्य स्मरण हर भारतीय का फर्ज बनता है। वे तमाम आंदोलन व घटनाएं याद की जानी चाहिए, जिनके चलते आज हम आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे हैं। देश की आजादी की लड़ाई में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के बाद भारत छोड़ो आंदोलन ऐसा निर्णायक मोड़ था, जिसने अंग्रेजों को अहसास कराया कि अब भारतीयों को गुलाम बनाकर रखना असंभव है। यही वजह है कि आठ अगस्त को भारत छोड़ो आंदोलन शुरू होने के तुरंत बाद सभी राष्ट्रीय, प्रांतीय तथा स्थानीय कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी के बावजूद यह आंदोलन डेढ़ साल तक चला, जिसने ब्रिटिश सत्ता की चूलें हिला कर रख दी। सही मायनों में सामूहिक नागरिक अवज्ञा आंदोलन पूरे देश में करो या मरो की तर्ज पर चला। इसका आह्वान अहिंसक आंदोलन के रूप में हुआ था, लेकिन सारे नेताओं को गिरफ्तार कर लेने के बाद आंदोलन हिंसक भी हुआ, जिसमें उन प्रतीकों व संस्थानों को निशाना बनाया गया जो ब्रिटिश साम्राज्यवाद के पर्याय थे। सही मायनों में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के मुंबई अधिवेशन में घोषित भारत छोड़ो आंदोलन, दूसरे विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश शासन पर दबाव बनाकर भारत को आजाद करने के लिये बाध्य करने के मकसद से शुरू किया गया था। ब्रिटेन को तब विश्व युद्ध के लिये हर हाल में भारतीय सहयोग की जरूरत थी। बहरहाल, भारत छोड़ो आंदोलन ने जहां ब्रिटिश साम्राज्यवाद की नींव हिला दी थी, वहीं भारत को एकता के सूत्र में पिरो दिया था। फिरंगियों को अहसास हो गया था कि ज्यादा समय तक भारतीयों पर शासन नहीं किया जा सकता। एक राष्ट्र के रूप में एकता का स्वरूप इस आंदोलन के दौरान बुलंद हुआ। सही मायनों में देश के भीतर लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास हुआ। उत्तर प्रदेश के बलिया, महाराष्ट्र के सतारा और बंगाल के मिदनापुर में बाकायदा स्थानीय सरकारें स्थापित कर ली गईं। कई स्थानों पर स्थानीय प्रशासन पर कब्जा करके गिरफ्तार कांग्रेसी नेताओं तक को रिहा कर दिया गया। सही मायनों में इस आंदोलन के गहरे निहितार्थ थे, जिसने भारतवासियों को सिखाया कि लोकतांत्रिक ढंग से चलने वाले अहिंसक आंदोलनों के जरिये भी बड़े लक्ष्य हासिल किये जा सकते हैं। यह भी कि बड़े नेताओं की गिरफ्तारी के बाद अनुशासित जनसामान्य किसी आंदोलन को तार्किक परिणति देने में सक्षम है। मौजूदा वक्त में इस आंदोलन की सफलता के निहितार्थ यही हैं कि समकालीन चुनौतियों का मुकाबला सहभागिता, जागरूकता व एकता के साथ किया जा सकता है। आज भले ही हमने राजनीतिक आजादी हासिल कर ली हो, लेकिन आर्थिक व सामाजिक समानता के लक्ष्य अभी अधूरे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार के मुद्दे ज्वलंत विषय हैं, जिनके लक्ष्य हासिल करने के लिये सरकारों के साथ सामाजिक स्तर पर बड़ी मुहिम की जरूरत है। ऐसे ही अन्य चुनौतियों के मुकाबले को देश को एकता के सूत्र में पिरोने की जरूरत है।

'आज के ट्वीट

धन्यवाद

मैं टोक्यो 2020 ओलंपिक में भारत का ध्वजवाहक बनने के अवसर के लिए भारत के लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं वादा करता हूं कि मैं अपने देश का झंडा ऊंचा रखने के लिए कड़ी मेहनत करता रहूंगा। 'जय हिन्द'

-- बजरंग पुनिया

आदिवासी अपनी संस्कृति के प्रति उदासीन क्यों?

- ललित गर्ग

अन्तरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस, विश्व में रहने आदिवासी लोगों के मूलभूत अधिकारों (जल, जंगल, जमीन) को बढ़ावा देने और उनकी सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और न्यायिक सुरक्षा के लिए प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को मनाया जाता है। यह दिवस उन उपलब्धियों और योगदानों को भी स्वीकार करता है जो मूल निवासी लोग पर्यावरण संरक्षण, आजादी, महा आंदोलनों, जैसे विश्व के मुद्दों को बेहतर बनाने के लिए करते हैं। यह पहली बार संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा दिसंबर 1994 में घोषित किया गया था। 'विश्व आदिवासी दिवस' अर्थात विश्व की सभी जनजातियों यानी आदिवासियों का दिवस। आदिवासी अर्थात जो प्रारंभ से यहां रहता आया है। करीब 400 पीढ़ियों पूर्व सभी भारतीय वन में ही रहते थे और वे आदिवसी थे परंतु विकासक्रम के चलते पहले ग्राम बने फिर कस्बे और अंत में नगर, महानगर। यही से विभाजन होना प्रारंभ हुआ। जो वन में रह गए वे वनावासी, जो गांव में रह गए वे ग्रामवासी और जो नगर में चले गए वे नगरवासी कहलाने लगे। भारत में लगभग 25 प्रतिशत बन क्षेत्र है, इसके अधिकांश हिस्से में आदिवासी समुदाय रहता है। लगभग नब्बे प्रतिशत खनिज सम्पदा, प्रमुख औषधियां एवं मूल्यवान खाद्य पदार्थ इन्हीं आदिवासी क्षेत्रों में हैं। भारत में कुल आबादी का लगभग 11 प्रतिशत आदिवासी समाज है। स्वतंत्रता आन्दोलन में आदिवासी समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आज भी जब भी जरूरत होती है, यह समाज देश के लिये हर तरह का बलिदान देने को तत्पर रहता है। फिर क्या कारण है कि इस जीवंत एवं मुख्य समाज को देश की मूल धारा से काटने के प्रयास निरन्तर किये जा रहे हैं। आजादी के बाद बनी सभी सरकारों ने इस समाज की उपेक्षा की है। यही कारण है कि यह समाज अनेक समस्याओं से घिरा है। अन्तर्राष्ट्रीय आदिवासी दिवस मनाते हुए हमें आदिवासी समाज के अस्तित्व एवं अस्मिता को धुंधलाने के प्रयासों को नियंत्रित करने पर चिन्तन करना होगा। क्योंकि यह दिवस पूरी दुनिया में आदिवासी जन-जीवन को समर्पित किया गया है, ताकि आदिवासियों के उन्नत, स्वस्थ, समतामूलक एवं खुशहाल जीवन की नयी पगडंडी बने, विचार-चर्चाएं आयोजित हो, सरकारें भी सक्रिय होकर आदिवासी कल्याण की योजनाओं को लागू करें। इस दिवस को आयोजित करने की आवश्यकता इसलिये पड़ी कि आज भी आदिवासी लोग दुनियाभर में उपेक्षा के शिकार हो रहे हैं, उनको उचित सम्मान एवं उन्नत जीवन नहीं मिल पा रहा है। वर्तमान दौर की एक बहुत बड़ी विडम्बना है कि आदिवासी समाज की आज कई समस्यायें से घिरा है। हजारों वर्षों से जंगलों और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले आदिवासियों को हमेशा से दबाया और कुचला जाता रहा है जिससे उनकी जिन्दगी अभावग्रस्त ही रही है। केंद्र सरकार आदिवासियों के नाम पर हर साल हजारों करोड़ों रुपए का प्रावधान बजट में करती है। इसके बाद भी उनकी आर्थिक स्थिति, जीवन स्तर में कोई बदलाव नहीं आया है। स्वास्थ्य सुविधाएं, पीने का साफ पानी आदि मूलभूत सुविधाओं के लिए वे आज भी तरस रहे हैं। जल, जंगल, जमीन की लड़ाई लड़ने वाले आदिवासियों को अपनी भूमि से बहुत लगाव होता है, उनकी जमीन बहुत उपजाऊ होती हैं, उनकी माटी एक तरह से सोना उगलती है। जनसंख्या वृद्धि के कारण भूमि की मांग में वृद्धि हुई है। इसीलिये आदिवासी क्षेत्रों के प्राकृतिक संसाधनों एवं उनकी जमीन पर बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की नजर है। कम्पनियों ने आदिवासी क्षेत्रों में घुसपैठ की है जिससे भूमि अधिग्रहण काफी हुआ है। आदिवासियों की जमीन पर अब वे खुद मकान बना कर रह रहे हैं, बड़े कारखाने एवं उद्योग स्थापित कर रहे हैं, कृषि के साथ-साथ वे यहाँ व्यवसाय भी कर रहे हैं। भूमि हस्तांतरण एक मुख्य कारण है जिससे आज आदिवासियों की आर्थिक स्थिति दयनीय हुई है। माना जाता है कि यही कंपनियां आदिवासी क्षेत्रों में युवाओं को तरह-तरह के प्रलोभन लेकर उन्हें गुमराह कर रही है, अपनी जड़ों से कटने को विवश कर रही है। उनका धर्मान्तरण किया जा रहा है। उन्हें राष्ट्र-विरोधी हरकतों के लिये उकसाया जाता है। तथाकथित राजनीतिक एवं आर्थिक स्थितियां आदिवासी समाज के अस्तित्व और उनकी पहचान के लिए खतरा बनती जा रही है। आज बड़े ही सूक्ष्म तरीके से इनकी पहचान मिटाने की व्यापक साजिश चल रही है। कतिपय राजनीतिक दल उन्हें वोट बैंक मानती है। वे भी उनको ठगने की कोशिश लगातार कर रही है। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि आज भी विमुक्त, भटकी बंजारा जातियों की जनगणना नहीं की जाती है। तर्क यह दिया जाता है कि वे सदैव एक स्थान पर नहीं रहते। आदिवासियों की ऐसी स्थिति तब है जबकि भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने आदिवासी को भारत का मूल निवासी माना है लेकिन आज वे अपने ही देश में परायापन, तिरस्कार, शोषण, अत्याचार, धर्मान्तरण, अशिक्षा, साम्प्रदायिकता और सामाजिक एवं प्रशासनिक दुर्दशा के शिकार हो रहे हैं। आदिवासी समाज की मानवीय गरिमा को प्रतिदिन तार-तार किया जा रहा है। हजारों आदिवासी दिल्ली या अन्य जगहों पर रोजगार के लिए बरसों से आते-जाते हैं पर उनका आंकड़ा भी जनगणना में शामिल नहीं किया जाता है, न ही उनके राशन कार्ड बनते हैं और न ही वे कहीं के वोटर होते हैं। अर्थात इन्हें भारतीय नागरिकता से भी वंचित रखा जाता है। आदिवासियों की जमीन तो छीनी ही गई उनके जंगल के अधिकार भी छिने गए। इतना ही नहीं उन्हें मूल लोकतांत्रिक अधिकार देश की नागरिकता से भी वंचित किया जा रहा है। गुजरात, मध्यप्रदेश, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, ओडिशा राज्यों में आदिवासी प्रतिशत किसी भी अन्य राज्य की तुलना में सबसे बड़ी राजनीतिक इकाई है। इसलिये इन राज्यों में आदिवासी का कन्वर्जन कराया जा रहा है, ताकि राजनीतिक लाभ उठाया जा सके। आदिवासियों के लिए ऋणग्रस्तता की समस्या सबसे जटिल है जिसके कारण जनजातीय लोग साहूकारों के शोषण का शिकार होते हैं। आदिवासी लोग अपनी गरीबी, बेरोजगारी, भुखमरी तथा अपने दयनीय आर्थिक स्थिति के कारण ऋण लेने को मजबूर होते हैं, जिसके कारण दूसरे लोग इनका फायदा उठाते हैं। किस तरह ठेकेदारों तथा अन्य लोगों से सीधे संपर्क के कारण समस्त भारतीय जनजातीय जनसंख्या ऋण के बोझ से दबी हुई है। देश में 'गरीबी हटाओ' जैसे कार्यक्रम भी बने, मगर उसका क्रियान्वयन ठीक से नहीं हो पाया। केन्द्र एवं राज्य सरकारों ने भी गरीबी कम करने के लिए कई योजनाएं चलाई किन्तु उसे भी पूर्ण रूप नहीं दिया जा सका। साथ ही आदिवासियों से जंगलों के वन-उत्पाद संबंधित उनके परम्परागत अधिकार पूरी तरह से छिन लिए गए। आदिवासी समाज से कटकर भारत के विकास की कल्पना करना अंधेरे में तीर चलाने जैसा होगा। एक साजिश के तहत गैर आदिवासी को आदिवासी बनाने से भी अनेक समस्याएं खड़ी हुई है। इससे उनकी भाषा भी छिन रही है क्योंकि उनकी भाषा समझने वाला अब कोई नहीं है। जिन लोगों की भाषा छिन जाती है उनकी संस्कृति भी नहीं बच पाती। उनके नृत्य को अन्य लोगों द्वारा अजीब नजरों से देखे जाते हैं इसलिए वे भी सीमित होते जा रहे हैं। जहां उनका 'सरना' नहीं है वहां उन पर नए-नए भगवान थोपे जा रहे हैं। उनकी संस्कृति या तो हड़पी जा रही है या मिटाई जा रही है। हर धर्म अपना-अपना भगवान उन्हें थमाने को आतुर है। गुजरात में आदिवासी जनजीवन के उत्थान और उन्नयन के लिय आदिवासी माटी में जन्मे जैन संत गणि राजेन्द्र विजयजी लम्बे समय से प्रयासरत है और विशेषतः आदिवासी जनजीवन को उन्नत बनाने, उन क्षेत्रों में शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, संस्कृति-विकास की योजनाओं लागू करने के लिये उनके द्वारा प्रयास किये जा रहे हैं, इसके लिये उन्होंने सुखी परिवार अभियान के अन्तर्गत अनेक स्तरों पर प्रयास किये हैं। वे रोजगार की दृष्टि से इसी क्षेत्र में व्यापक संभावनाओं को तलाश रहे है। शिक्षा के साथ-साथ नशामुक्ति एवं रूढ़ि उन्मूलन की अलख जगा रहे हैं। पढ़ने की रूचि जागृत करने के साथ-साथ आदिवासी जनजीवन के मन में अहिंसा, नैतिकता एवं मानवीय मूल्यों के प्रति आस्था जगाना उनका ध्येय है। हर आदिवासी अपने अन्दर झांके और अपना स्वयं का निरीक्षण करे। आज आदिवासी समाज इसलिए खतरे में नहीं है कि सरकारों की उपेक्षाएं बढ़ रही है बल्कि उपेक्षापूर्ण स्थितियां सदैव रही है- कभी कम और कभी ज्यादा। सबसे खतरे वाली बात यह है कि आदिवासी समाज की अपनी ही संस्कृति एवं जीवनशैली के प्रति आस्था कम होती जा रही है। अन्तराष्ट्रीय आदिवासी दिवस मनाने की सार्थकता तभी है जब हम इस जीवंत समाज को उसी के परिवेश में उन्नति के नये शिखर दें। इस दृष्टि से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नये भारत की परिकल्पना को आदिवासी समाज बहुत ही आशाभरी नजरों से देख रहा है।

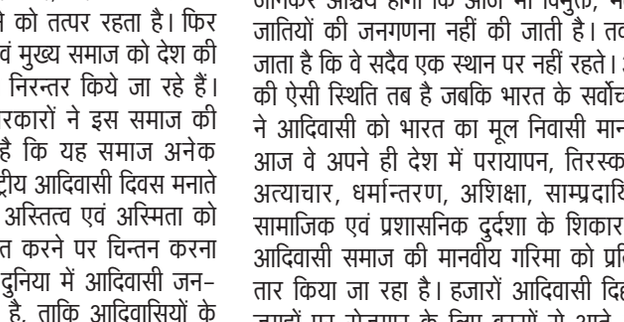

ज्ञान गंगा

प्रकृति पूजा

प्रणाम मीना ऊँ

हे मानव! क्यों छोड़ दी तूने अपनी सहज सरल सामान्य साधारण स्वाभाविक प्रवृत्ति जो प्रकृति की सत्यम् शिवम् सुन्दरम् संस्कृति की परिचायक थी। क्यों ओढ़ ली ढोंग और पाखंड की चादर अत्याधुनिक बनने की चूहा दौड़ में भागीदार हो गया। सुख,भोग, साधन, सामग्री संग्रह की होड़ में भूल गया कि भोगेगा कब? इतना स्वकेंद्रित स्वार्थी लालची और भावविहीन हो गया कि अपने चारों ओर घटित अनाचार भ्रष्टाचार और प्रकृति से हो रहे दुराचार से कोई सरोकार ही नहीं रहा। प्रकृति पर विजय पाने के दंभ में भूल गया कि प्रकृति पर पूर्ण नियंत्रण और विजय असंभव है। प्रकृति जैसा देवनहार कोई नहीं पर प्रकृति को अपने उत्तरोत्तर विकास व गति के मार्ग में कोई भी अवरोध मान्य नहीं। प्रकृति तो मानव जीव को पूर्णतया विकसित कर पूर्णता प्रदान करने को तत्पर है तुझे उसके इस ध्येय का तनिक भी ज्ञान नहीं है। जब तेरा रूपान्तरण और उत्थान कालचक्रानुसार रुक जाता है और तू स्वनिर्मित चक्रव्यूहों में फंसकर अपने मानव होने का उद्देश्य और आनंद विस्मृत कर देता है तो प्रकृति के अपने ही उपाय हैं तेरी बुद्धि और अहंकार को धरातल पर ले आने हेतु। प्रकृति प्रकोपों और तांडव में भी तेरे ही हित वाली करुणा छुपी होती है। कोरोना कीटाणु का प्रकोप यही दर्शा रहा है। मानव को फैलाव समेटना समझ आ रहा है। आंतरिक और बाह्य शुद्धि का सुअवसर मिला है। सीमित साधनों में भी कैसे सुखी स्वस्थ संतुष्ट व शांत रहा जा सकता है। हे मानव! बाह्य भागदौड़, भीड़, चकाचौंध और अतिरंजित कृत्रिम वातावरण में तू कहीं खो गया था। प्रकृति का तो कर्म ही है अपूर्णताओं को बवंडरों से उखाड़कर तुझे राह सुझाकर उत्थान की ओर अग्रसर रखना। कितने ही महापुरुष अवतरित हुए तुझे मार्गदर्शन देने; पर जब तक प्रकृति अपना रौद्र रूप नहीं दिखाती तब तक तू सुधरने के लिए संकल्पित नहीं होता। अब तुझे समझना ही होगा कि तू यहां पृथ्वी पर मधुरता सौहार्द प्रेम सौंदर्य सहयोग और आनन्दपूर्ण सहअस्तित्व के प्रसार के लिए ही प्रकृति की सवरेत्तम कृति है। धरती की प्रयोगशाला में प्रकृति ने मानव को निरंतर परिष्कृत होने के लिए ही उत्पन्न किया है। वास्तव में अब समय आ पहुंचा है सबको अपने वास्तविक सत्य रूप को समझने का, यह जानने का कि हम कहां पहुंच गए हैं?

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

जाति न पूछो खेल की

- आर.के. सिन्हा

टोक्यो ओलंपिक खेलों के श्रीगणेश से पहले किसी भारतीय ने ख्वाब में भी नहीं सोचा था कि भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीमें ओलंपिक में ऐसा चमत्कारी प्रदर्शन करेंगी। इन दोनों टीमों ने अपने शानदार खेले से सारी दुनिया का ध्यान खींचा। इस सबके बीच महिला टीम की स्टार फॉरवर्ड खिलाड़ी वंदना कटारिया के हरिद्वार के पास रोशनबाद स्थित घर में कुछ गटर छाप मानसिकता के लोगों ने उनकी जाति को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी कर सारे माहौल को विषाक्त कर दिया। इस विवाद के कारण हॉकी टीमों की कामयाबी को नेपथ्य में धकेलने की कोशिशें भी हुई। भारत में इस शर्मनाक घटना से पहले कभी किसी ने खिलाड़ियों की जाति को लेकर कोई छिछोरी टिप्पणी नहीं की थी । खेलों का संसार तो इस तरह का है जहां जाति, लिंग, धर्म आदि के लिए कोई स्थान नहीं है। दर्शक और खेलप्रेमी उस खिलाड़ी को ही पसंद करते हैं जो लगातार बेहतर खेलता है। उसके प्रदर्शन से देश का नाम बुलंद होता ही है। क्या किसी हिन्दुस्तानी को दादा ध्यानचंद की जाति की जानकारी है ? यदि हो भी तो कोई चर्चा करता है क्या ? क्यों देश टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस को पसंद करता है ? किसने सुनील गावस्कर या सचिन तेंदुलकर की जाति जानने की चेष्टा की ? किसी ने भी तो नहीं। फिर इसबार वंदना और कुछ अन्य खिलाड़ियों की जाति को लेकर क्यों विवाद खड़ा किया जा रहा है ? यह बड़ा सवाल है। भारत की हॉकी टीम से कुछ साल पहले वाल्मिकी समाज का युवक युवराज वाल्मिकी खेल रहा था। हॉकी के मैदान में सफल होने के लिए जरूरी लय, ताल और गति उसके पास थी। वह कई सालों तक भारत की टीम का स्थायी सदस्य था। परंतु कभी किसी ने उसकी जाति को लेकर सवाल तो नहीं किए। पाकिस्तान के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर युसुफ योहन्ना, जो बाद में धर्म परिवर्तन करके मोहम्मद युनुस बन गए थे, उनका संबंध भी मूल रूप से एक वाल्मिकी परिवार से ही है। हिन्दू धर्म बदलकर ईसाई बनने के बाद भी उनका परिवार लाहौर में सफाईकर्मी के रूप में ही काम करता रहा। योहन्ना से युसूफ बने इतने बेहतरीन खिलाड़ी को कभी पाकिस्तान टीम का कप्तान इसलिए नहीं बनाया गया क्योंकि वे वाल्मिकी परिवार से थे। तो यह हाल रहा जात-पात का इस्लाम को मानने वाले पाकिस्तान में। लेकिन, भारत में कभी किसी को किसी खास जाति से संबंध रखने के कारण कोई पद न मिला हो, यह मुमकिन नहीं है। अगर किसी शख्स में किसी पद को हासिल करने की मेरिट है तो वह पद उसे मिलेगा ही। यहां पर इस बात से कोई इनकार नहीं कर रहा है कि हमारे समाज में जाति का कोढ़ अभी भी जिंदा है। लेकिन इसका यह भी मतलब नहीं है कि देश और समाज जाति के आधार पर ही चलता है। तो फिर वही सवाल है कि वंदना कटारिया पर नीच टिप्पणियां करने वालों की मंशा क्या थी। सारे मामले की जांच शुरू हो गई है। अब दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। यह सच है कि देश के छोटे शहरों में कथित निचली जाति से संबंध रखने वाले लोगों को कुछ दबंग किस्म के लोग प्रताड़ित करते रहते हैं। हालांकि इस तरह के मामले पहले से बहुत कम भी हुए हैं, पर ऐसी घटनाएँ हो तो रही हैं, यह भी सच है। जाति का असर महानगरों और बड़े शहरों में घट रहा है, यह भी सच है। अगर ऐसा नहीं होता तो युवराज वाल्मिकी या वंदना कटारिया जैसे नौजवानों के लिए भारत हॉकी टीम में जगह बनाना संभव नहीं था। कहने की जरूरत नहीं है कि हिन्दू समाज के सामाजिक पिरामिड में वाल्मिकी समाज सबसे निचले पायदान पर है। अपने घर के आसपास की किसी भी वाल्मिकी बस्ती में जाएं तो आपको मालूम चल जाएगा कि यह समाज कितनी विषम परिस्थितियों में जीने के लिए मजबूर है। ये अब भी प्राय- मैला उठाने से लेकर कचरे की सफाई के काम से ही जुड़े हैं। यह इतना

महत्वपूर्ण काम भी मेहनत और तन्मयता से करते हैं, वह देखकर मन में सम्मान के भाव के अतिरिक्त कुछ नहीं आ सकता। अगर आप राजधानी में रह रहे हैं तो अंबेडकर स्टेडियम के पीछे बसी वाल्मिकी बस्ती में जाकर देख लें कि भले ही देश आगे बढ़ रहा हो पर इधर रहने वालों की जिंदगी पहले की तरह संघर्षों भरी है। ये न्यूनतम नागरिक सुविधाओं के अभाव में ही रह रहे हैं। पर दिल्ली या मुंबई जैसे महानगरों में इन्हें जाति के कारण अपमानित तो नहीं होना पड़ता है न ? मूलत- उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से मुम्बई में जाकर बस गए परिवार से संबंध रखने वाले युवराज वाल्मिकी की कहानी उन तमाम वाल्मिकी परिवार के नौजवानों की कहानी से मिलती-जुलती ही है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी सफलता दर्ज की। बहरहाल, कभी-कभी मन बहुत उदास हो जाता है कि हमारे यहां कुछ विक्षिप्त तत्व पूर्वोत्तर के नागरिकों से लेकर अफ्रीकी नागरिकों पर भी बेशर्मी से टिप्पणियां करते हैं। इन्हें अपने घटिया आचरण पर शर्म भी नहीं आती। ये लोग पूर्वोत्तर राज्यों के नागरिकों को चीनी या जापानी कह देते हैं। जरा सोचें कि जिन्हें चीनी या जापानी कहा जा रहा है, उनके दिल पर क्या गुजरती होगी। इस तरह के तत्वों पर भी कड़ा एक्शन होना चाहिए। जरा यह भी सोचें कि जिनकी जाति को उछाला जाता है, उन्हें कितना मानसिक कष्ट होता होगा। जिस वंदना कटारिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार तीन गोल करके कीर्तिमान बनाया, उसके साथ कितना भयंकर अन्याय हो रहा है। जिन लोगों ने वंदना कटारिया के घर के बाहर जाकर अराजकता की और जातिसूचक टिप्पणियां कीं उन सबके खिलाफ पुलिस ने मुकदमा तो दर्ज किया है। दो आरोपियों विजयपाल और अंकुरपाल को गिरफ्तार भी कर लिया गया है।देखिए, अब इस देश में नस्लीय टिप्पणियों को किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। जो भी शख्स इन हरकतों में लिप्त पाया जाएगा उसे कठोर दंड हर हाल में मिलना चाहिए। यह सुखद स्थिति नहीं है कि जब देश कुछ दिनों बाद अपनी आजादी की 75 वीं वर्षगांठ मनाने की तैयारियां कर रहा है तब भी हमारे यहां जाति के कोढ़ का स्याह चेहरा दिखाई दे जाता है। किसी भी सभ्य समाज में जाति के लिए कोई जगह नहीं हो सकती। (लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ है। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही दिग्गज आईटी कंपनी इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक के शेयरों में उछाल से बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बंबई शेयर बाजार (बीएसई) सेंसेक्स 125.13 अंक करीब 0.23 फीसदी बढ़कर 54,402.85 अंक पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 20.05 अंक तकरीबन 0.12 फीसदी की बढ़त के साथ ही 16,258.25 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 2 फीसदी से अधिक की तेजी महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में रही। इसके अलावा, एक्सिस बैंक, टेक महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, इंडसइंड बैंक, टाइटन और ड. रेड्डीज के शेयरों में भी बढ़त आई। वहीं दूसरी ओर भारती एयरटेल, टाटा स्टील, एल एंड टी, एनटीपीसी और बजाज फाइनेंस के शेयर गिरे हैं। जानकारों के अनुसार एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बढ़त वाले शेयरों में मुनाफावसूली के कारण घरेलू शेयर बाजारों में सीमित दायरे में ही कारोबार हुआ हालांकि वित्तीय और आईटी शेयरों ने बाजार को गिरने से बचाये रखा। अधिकतर प्रमुख खंडवार सूचकांक घाटे में रहे। इससे पहले सुबह वैश्विक बाजारों में मिले सकारात्मक रुख और इंफोसिस, आईटीसी और एचयूएल जैसे बड़े शेयरों में बढ़त की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सेंसेक्स 200 अंक से अधिक चढ़ गया। इस दौरान सूचकांक 219.52 अंक बढ़कर 54,497.24 पर कारोबार कर रहा था, जबकि व्यापक एनएसई निफ्टी 65.05 अंक बढ़कर 16,303.25 पर पहुंच गया। सेंसेक्स में सबसे अधिक दो फीसदी की बढ़त एमएंडएम में हुई। इसके अलावा टेक महिंद्रा, टाइटन, बजाज फिनसर्व, इंडसइंड बैंक और एशियन पेंट्स भी बढ़ने वाले शेयरों में शामिल थे।

पिछले सत्र में सेंसेक्स 215.12 अंक की गिरावट के साथ 54,277.72 पर और निफ्टी 56.40 अंक गिरकर 16,238.20 पर बंद हुआ था।

जुलाई में क्रमिक रूप से वाहन खुदरा बिक्री में वृद्धिः फाडा

नई दिल्ली। कम आधार और बढ़ती मांग ने जुलाई 2021 में क्रमिक और साल-दर-साल आधार पर भारत की कुल वाहन खुदरा बिक्री को बढ़ावा हुआ है। तदनुसार, फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) द्वारा जारी आंकड़ों में जुलाई 2020 के स्तर से समीक्षाधीन महीने के दौरान 34.12 प्रतिशत की वृद्धि दिखाई गई है। जुलाई 2020 के दौरान बेची गई 11,60,721 इकाइयों से पिछले महीने वाहन खुदरा बिक्री बढ़कर 15,56,777 इकाई हो गई। क्रमिक आधार पर, एफएडीए ने जून 2021 के लिए कुल वाहन खुदरा बिक्री 12,17,151 इकाइयों की सूचना दी थी हालांकि, जुलाई 2019 (प्रति-महामारी) अवधि की तुलना में पिछले महीने की कुल खुदरा बिक्री के आंकड़े में (-) 13.22 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। जुलाई 2019 में, कुल वाहन खुदरा बिक्री 17,93,882 इकाई रही है।

कोविड प्रतिबंधों में ढील के कारण जुलाई में ऑटो खुदरा बिक्री में तेजी

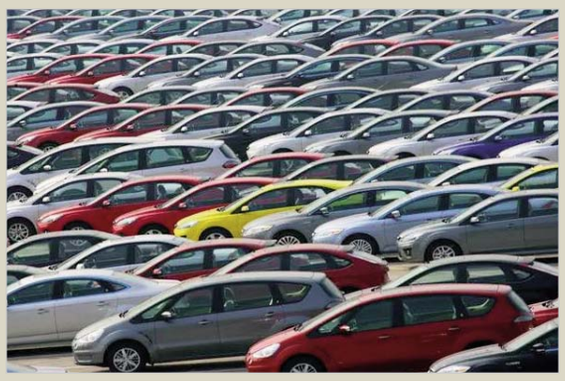

नई दिल्ली: ऑटोमोबाइल डीलरों के निकाय फाडा ने सोमवार को कहा कि राज्यों द्वारा कोविड-19 महामारी की रोकथाम के लिए लागू किए गए प्रतिबंधों में ढील देने के चलते जुलाई में पूरे देश में ऑटो खुदरा बिक्री तेजी से बढ़ी। इस दौरान यात्री वाहनों, दोपहिया और वाणिज्यिक वाहनों सहित सभी वाहन खंडों ने मजबूत बिक्री वृद्धि दर्ज की। जुलाई में कुल बिक्री 34 प्रतिशत बढ़कर 15,56,777 इकाई रही, जो पिछले साल के इसी महीने में 11,60,721 इकाई थी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अध्यक्ष विंकेश गुलाटी ने एक बयान में कहा, ''पूरा देश खुला होने के साथ जुलाई में ऑटो खुदरा बिक्री में मजबूत सुधार देखा गया। सभी श्रेणियों में मांग अधिक रही। इसके अलावा कम आधार प्रभाव की भी भूमिका है। यात्री वाहनों की बिक्री जुलाई 2021 में 63 प्रतिशत बढ़कर 2,61,744 इकाई हो गई, जो पिछले साल इसी महीने में 1,60,681 इकाई थी। गुलाटी ने कहा कि इस दौरान नई पेशकश और कॉम्पैक्ट एसयूवी मॉडल के बारे में पूछताछ के साथ इस खंड में मांग मजबूत रही। आपूर्ति-पक्ष की बाधाओं के कारण लंबी प्रतीक्षा अवधि पिछले कुछ महीनों से जारी है।

जुलाई में इक्विटी म्युचुअल फंडों का शुद्ध प्रवाह 22 हजार करोड़ रुपये से अधिक - एएमएफआई

मुंबई। इक्विटी से जुड़ी म्यूचुअल फंड योजनाओं में जुलाई में 22,500 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध निवेश हुआ है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) द्वारा सोमवार को पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, शुद्ध प्रवाह 22,583.52 करोड़ रुपये रहा है। जून में, शुद्ध प्रवाह 5,980 करोड़ रुपये से अधिक था, जबकि मई में कुल राशि 10,000 करोड़ रुपये से अधिक थी। अप्रैल में, इक्विटी से जुड़ी म्यूचुअल फंड योजनाओं में 3,437 करोड़ रुपये का शुद्ध प्रवाह देखा गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने सीसीआई जांच के खिलाफ अमेजन, फ्लिपकार्ट की याचिका पर सुनवाई से इंकार किया

नई दिल्ली। देश के सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को अमेजन और फ्लिपकार्ट की उस याचिका पर सुनवाई करने से मना कर दिया, जिसमें भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) द्वारा प्रतिस्पर्धा कानून के कथित उल्लंघन की प्रारंभिक जांच करने को चुनौती दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि जांच को चुनौती देना, आपराधिक कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज करने से पहले नोटिस चाहने जैसा है। इसके साथ ही पीठ ने ई-कॉमर्स कंपनियों को सीसीआई की जांच में सहयोग करने के लिए कहा। पीठ में न्यायामूर्ति विनीत सरन और न्यायामूर्ति सूर्यकांत भी शामिल हैं। पीठ ने कहा, 'हम उम्मीद करते हैं कि अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे बड़े संगठन पूछताछ के लिए खुद आगे आएंगे, और आप ऐसा नहीं चाहते हैं। आपको पेश होना होगा और जांच की इजाजत देनी होगी।'फ्लिपकार्ट की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी द्वारा यह बताए जाने पर कि सीसीआई को जवाब देने का समय नौ अगस्त को ही खत्म हो रहा है, पीठ ने इस समयसीमा को चार सप्ताह के लिए बढ़ा दिया। हालांकि, इस पर सीसीआई का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने आपत्ति जताई। मेहता ने कहा कि इन फर्मों को एक सप्ताह का समय दिया जाना चाहिए, क्योंकि कोविड के दौर में लोग ज्यादातर इन कंपनियों के माध्यम से ऑनलाइन खरीदारी कर रहे हैं। इससे पहले कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 23 जुलाई को प्रतिस्पर्धा कानून के कथित उल्लंघन के लिए सीसीआई जांच के खिलाफ अमेजन-फ्लिपकार्ट की याचिका खारिज कर दी थी।

हीरो इलेक्ट्रिक ने पहली छमाही में 15,000 से अधिक इलेक्ट्रिक दोपहिया बेचे

नयी दिल्ली, इलेक्ट्रिक दोपहिया कंपनी हीरो इलेक्ट्रिक ने इस साल की पहली छमाही में 15,000 से अधिक द्रुत गति वाले बिजली चालित दोपहिया बेचे। पिछले साल समान अवधि में कंपनी की बिक्री का आंकड़ा 3,270 इकाई रहा था। पिछले साल कोरोना वायरस महामारी की वजह से लागू लॉकडाउन और अन्य अड़चनों की वजह से कंपनी की बिक्री प्रभावित हुई थी। हीरो इलेक्ट्रिक ने कहा कि कोविड-19 की दूसरी लहर के बाद उसकी बिक्री में सुधार हुआ है। इस साल जुलाई में कंपनी की द्रुत गति के इलेक्ट्रिक दोपहिया की बिक्री का आंकड़ा 4,500 इकाई से अधिक रहा है, जो पिछले साल समान महीने में 399 इकाई रहा था। बिक्री प्रदर्शन पर हीरो इलेक्ट्रिक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सोहिंदर गिल ने कहा, ''हम महामारी की चुनौती से निपट रहे हैं। बाजार में सबसे बड़ी वृद्धि देखने को मिल रही है जिसको लेकर हम काफी उत्साहित हैं। अनुकूल बाजार तथा नीतियों की वजह से यह क्षेत्र आगे बढ़ रहा है।''

फेसबुक अरबों यूजर्स के लिए डेटा पोर्टेबिलिटी टूल को किया रोलआउट

नई दिल्ली।

फेसबुक ने सोमवार को अरबों उपयोगकर्ताओं के लिए डेटा पोर्टेबिलिटी को और अधिक सहज बनाने के लिए कई अपडेट की घोषणा की, क्योंकि कंपनी का लक्ष्य लोगों को उनके डेटा पर विकल्प और नियंत्रण प्रदान करना है। कंपनी ने कहा कि उसने अपने डेटा पोर्टेबिलिटी टूल को बनाया है और अब, लोगों के लिए अपने डेटा की एक कॉपी को फेसबुक से अन्य सेवाओं में ट्रांसफर योर इंफॉर्मेशन (टीवाईआई) फीचर के जरिए ट्रांसफर करना आसान हो गया है। इस अपडेट में यूजर्स के अनुभव में सुधार, दो नए गंतव्य (फोटोबकेट और गूगल कैलेंडर) और एक नया डेटा प्रकार- फेसबुक इवेंट शामिल हैं। फेसबुक के उत्पाद प्रबंधक हादी मिशेल ने कहा, लोग अब और आसानी से देख सकते हैं कि कौन से गंतव्य और कौन से डेटा प्रकारों का समर्थन किया जाता है, साथ ही प्रत्येक स्थानांतरण की स्थिति के बारे में अधिक पारदर्शिता के साथ-साथ कुछ सेव को पुन- प्रयास करना आसान बनाता है। अन्य अपडेट में एक गंतव्य के लिए एक साथ कई डेटा स्थानांतरण शुरू करने की क्षमता और फिल्टर शामिल हैं जो लोगों को उस डेटा का अधिक सटीक रूप से चयन करने की अनुमति देते हैं जिसे वे सेव करना चाहते हैं।कंपनी ने कहा, हम उन डेटा प्रकारों और गंतव्यों के चयन का विस्तार करने के लिए डेवलपर्स के साथ भी काम कर रहे हैं जिनका हम समर्थन करते हैं। हालांकि, यह सुनिश्चित करने के लिए कि उपयोगकर्ता डेटा स्थानांतरित होने के दौरान सुरक्षित है और उसके बाद, हम उस डेटा की सुरक्षा के लिए कौन जिम्मेदार है, इसके बारे में स्पष्ट नियम बनाने के लिए सरकारी विनियमन के लिए कॉल करना जारी रख रहे हैं क्योंकि इसे विभिन्न सेवाओं में स्थानांतरित किया जाता है। अपडेट फेसबुक के ओपन सोर्स डेटा ट्रांसफर प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं, जो पूरे उद्योग में डेटा पोर्टेबिलिटी में नवाचार का समर्थन करते हैं और प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाते हैं। अप्रैल में, फेसबुक ने दो नए डेटा पोर्टेबिलिटी प्रकार पेश किए जो यूजर्स को सीधे अपने पोस्ट और नोट्स को गूगल दस्तावेज, ब्लॉगर और वर्डप्रेस डॉट कोम पर सेव करने में मदद करेगा। पिछले साल सोशल नेटवर्क ने लोगों को अपने फोटो और वीडियो को बैकब्लज, ड्रॉपबॉक्स, गूगल फोटो और कूफर में स्थानांतरित करने में सक्षम बनाया है।

जमा बीमा रद्द करें, अग्रिमों के लिए बीमा लाएं: एआईबीईए

चेन्नई।

अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ (एआईबीईए) ने कहा है कि सार्वजनिक क्षेत्र के वाणिज्यिक बैंक अनावश्यक रूप से जमा बीमा का क्रॉस वहन कर रहे हैं और इसे रोका जाना चाहिए। उन्होंने कहा, जमा बीमा पर प्रीमियम कम करने का एक वैध मामला है क्योंकि दावों का अनुभव बहुत अच्छा है और प्रीमियम केवल बीमा कवर की राशि पर लगाया जाना चाहिए न कि कुल जमा पर। उन्होंने कहा, वैकल्पिक रूप से, सरकार बैंकों द्वारा दिए गए ऋणों का बीमा करने पर विचार कर सकती है ताकि ऋण बट्टे खाते में डाला जा सके और खराब ऋणों के प्रावधानों से बचा जा सके। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लिखे पत्र में, एआईबीईए के महासचिव सीएच वेंकटचलम ने कहा, प्रीमियम की गणना के लिए, पूरी जमा राशि को ध्यान में रखा जाता है, लेकिन कवरेज केवल 100,000 रुपये प्रति जमा खाते के लिए है। सरकार कवरेज राशि को बढ़ाकर 500,000 रुपये करने का प्रस्ताव कर रही है। वेंकटचलम ने कहा, इस प्रकार बैंक उन जमाराशियों के लिए भी प्रीमियम का भुगतान कर रहे हैं जिनका बीमा नहीं है। उनके अनुसार वर्ष 2019-20 के दौरान जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) को बैंकों द्वारा भुगतान किया गया कुल प्रीमियम 13,230 करोड़ रुपये (वाणिज्यिक बैंक 12,310 करोड़ रुपये, सहकारी बैंक 920 करोड़ रुपये) था। इसमें से डीआईसीजीसी द्वारा सहकारी बैंक जमाकर्ताओं को 80.65 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था और वाणिज्यिक बैंकों के मामले में दावे शून्य थे। उनके अनुसार, वर्तमान में जमा बीमा कोष 110,380 करोड़ रुपये है और स्थापना के बाद से भुगतान किए गए कुल दावे केवल 5,200 करोड़ रुपये हैं। वेंकटचलम ने आईएएनएस को बताया, दावे का अनुभव बहुत अच्छा है और इसलिए प्रीमियम दरों को मौजूदा 0.12 पैसे प्रति 100 रुपये से कम करने की बजाय सरकार के प्रस्ताव को बढ़ाने की जरूरत है। वेंकटचलम ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की कुल जमा राशि लगभग 77 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें से केवल 30 प्रतिशत या 23 लाख करोड़ रुपये अब तक 1 लाख रुपये के बीमा के तहत कवर किए गए हैं (56 प्रतिशत या कवरेज के बाद 44 लाख करोड़ रुपये जमा राशि बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दी गई है।) बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1947 की धारा 45 का हवाला देते हुए, वेंकटचलम ने कहा कि सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सार्वजनिक हित में, किसी भी बैंक को किसी अन्य बैंक के साथ सम्मलित करने और इस प्रकार बैंकों को बंद करने और जमा के परिणामी नुकसान को रोकने के लिए शक्तियां प्राप्त की हैं। वेंकटचलम ने कहा, इसीलिए, जबकि 1960 से पहले सैकड़ों बैंक बंद हो रहे थे, बैंकिंग विनियमन अधिनियम में इस संशोधन के साथ, एक भी वाणिज्यिक बैंक का परिसमापन या बंद नहीं हुआ है। डीआईसीजीसी के दायरे में आने वाले 2,067 बैंकों में से 1923 बैंक सहकारी बैंक हैं। उन्होंने कहा कि केवल इन बैंकों को बंद होने और परिसमापन की समस्या का सामना करना पड़ रहा है और इन बैंकों की जमा राशि को डीआईसीजीसी द्वारा कवर करने की जरूरत है। उनके अनुसार, सहकारी बैंकों को भी बैंकिंग विनियमन अधिनियम की धारा 45 के तहत कवर किया जा सकता है। वेंकटचलम ने कहा, यहां तक कि इन बैंकों के मामले में, केवल बीमा कवर द्वारा कवर की गई जमाओं की सीमा तक, प्रीमियम लगाया जाना चाहिए, न कि कुल निर्धारण योग्य जमा पर जो बहुत अधिक है। एआईबीईए नेता ने सीतारमण से सार्वजनिक क्षेत्र/वाणिज्यिक बैंकों को जमा बीमा से छूट देने का अनुरोध किया और सहकारी बैंकों का प्रीमियम बीमा कवरेज पर लगाया जाना चाहिए न कि उनके पूरे जमा आधार पर। वेंकटचलम द्वारा प्रदान की गई प्रीमियम आय और दावों के आंकड़ों के अनुसार, डीआईसीजीसी के लिए अपनी प्रीमियम दर को बढ़ाने के बजाय कम करने का एक वैध मामला है। उन्होंने जमा बीमा प्रीमियम के भुगतान पर वाणिज्यिक बैंकों की चुप्पी पर भी आश्चर्य जताया, जिसकी कोई आवश्यकता नहीं है। सरकारी बैंकों द्वारा भारी मात्रा में फंसे कर्ज और कर्ज को बट्टे खाते में डालने का हवाला देते हुए वेंकटचलम ने कहा कि जमा के बजाय बैंक ऋण/गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों के लिए बीमा हो सकता है।

2021 की पहली छमाही में आवासीय बिक्री 75 प्रतिशत बढ़ी- सीबीआरई

नई दिल्ली।

सीबीआरई के आंकड़ों के मुताबिक, साल-दर-साल आधार पर 2021 की पहली छमाही के दौरान देश भर में घरों की बिक्री में 75 फीसदी से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है।लगभग 26 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ पुणे ने बिक्री गतिविधि का नेतृत्व किया, इसके बाद मुंबई (19 प्रतिशत) का स्थान रहा। इसके बाद हैदराबाद और दिल्ली-एनसीआर क्रमश-18 प्रतिशत और 17 प्रतिशत शेयरों के साथ है। केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा घोषित मापी गई नीतियों के आधार पर, क्यू4 2020 में भारत के सात बड़े शहरों में तिमाही-दर-तिमाही आधार पर आवास की बिक्री में 73 प्रतिशत की वृद्धि हुई। और आरबीआई डेवलपर्स द्वारा प्रदान किए गए प्रोत्साहन के साथ मिलकर किया गया। जबकि संपत्ति की कीमतें 2010 के बाद से हाई-एंड सेगमेंट में 1-6 प्रतिशत की सीएजीआर और मिड-सेगमेंट में लगभग 2-7 प्रतिशत बढ़ी हैं, 2010 और 2020 के बीच प्रति व्यक्ति जीडीपी 4.0 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ी है। इसके अलावा, शीर्ष सात शहरों के लिए प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि राष्ट्रीय औसत से ऊपर थी, जिसमें बैंगलोर ने उच्चतम सीएजीआर (6.6 प्रतिशत) की रिपोर्ट की। इसलिए, आय वृद्धि ने संपत्तियों की कीमत में औसत वृद्धि को पीछे छोड़ दिया, जिससे आवास की सामर्थ्य में और योगदान हुआ है। इसके अलावा, आरबीआई ने फरवरी 2019 में रेपो दर को धीरे-धीरे 6.25 प्रतिशत से घटाकर मई 2020 में 4.0 प्रतिशत कर दिया, जिसके कारण होम लोन पर ब्याज दर घटकर 6.7-6.9 प्रतिशत हो गई है।

1985 सुपर मारियो ब्रोस गेम की सीलबंद कॉपी रिकॉर्ड 2 मिलियन डॉलर में बिकी

सैन फ्रांसिस्को।

विंटेज सुपर मारियो ब्रोस गेम की 36 साल पुरानी सीलबंद कॉपी रैली नामक संग्रहणीय साइट पर 2 मिलियन डॉलर में बेची गई है, जिसने अब तक के सबसे महंगे वीडियो गेम की बिक्री का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। द न्यू यॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, 1985 के खेल के बिक्री पुरस्कार ने एक महीने से भी कम समय पहले बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जब सुपर मारियो 64 की कभी न खोली गई प्रति नीलामी में 1.56 मिलियन डॉलर में बिकी। ने पिछले अप्रैल में सुपर मारियो ब्रदर्स गेम को 140,000 डॉलर में खरीदा था। एक गुमनाम खरीदार ने अब इसे 2 मिलियन डॉलर में खरीदा है। रिपोर्ट में कहा गया है, महामारी के दौरान, निवेश के कई अन्य रूपों के साथ-साथ संग्रहणीय वस्तुओं की मांग बढ़ गई है, क्योंकि लोग अपने पैसे खर्च करने के तरीकों की तलाश में हैं। जुलाई की शुरूआत में, 1987 के लीजेंड ऑफ जेल्डा गेम कार्ट्रिज को 870,000 डॉलर में बेची गई थी। पिछले साल, सुपर मारियो ब्रदर्स की एक प्रति नीलामी में 114,000 डॉलर में बिकी थी और नवंबर में सुपर मारियो ब्रदर्स 3 की एक प्रति 56,000 में बेची गई थी। सुपर मारियो मारियो पर आधारित निन्टेंडो द्वारा बनाई गई एक प्लेटफॉर्म गेम श्रृंखला है। वैकल्पिक रूप से सुपर मारियो ब्रोस श्रृंखला या बस मारियो श्रृंखला कहा जाता है, यह अधिक से अधिक मारियो फ्रैंचाइजी की केंद्रीय श्रृंखला है। श्रृंखला में पहला गेम, सुपर मारियो ब्रदर्स 1985 में जारी किया गया था। सुपर मारियो खेलों की 380 मिलियन से अधिक प्रतियां दुनिया भर में बेची गई हैं, जिससे यह चौथी सबसे अधिक बिकने वाली वीडियो गेम श्रृंखला बन गई है, जो बड़ी मारियो श्रृंखला, पहेली श्रृंखला टेट्रिस और प्रथम-व्यक्ति शूटर श्रृंखला कॉल ऑफ ड्यूटी के पीछे है।

रैली संग्रहणीय संपत्तियों में इक्विटी शेयर खरीदने और बेचने का एक मंच है।

अमारा राजा बैटरीज की 5-7 साल में एक अरब डॉलर निवेश की योजना

हैदराबाद,

अमारा राजा बैटरीज ने अगले पांच से सात साल में करीब एक अरब डॉलर के पूंजी व्यय की योजना बनायी है। कंपनी यह राशि अधिग्रहण और नये संयंत्रों के विकास पर खर्च करेगी। राजा की नई ऊर्जा इकाई के अध्यक्ष एस विजयानंद ने कहा कि बैटरी बनाने वाली कंपनी लिथिम ऑयन प्रौद्योगिकी जैसे अत्याधुनिक भंडारण प्रणाली पर गौर कर रही है। इसका कारण समय के साथ लीड एसिड बैटरी बाजार की विकास दर कम होने की आशंका है। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, ''हम सरकार की एसीसी (अत्याधुनिक रसायनिक बैटरी) उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत 10,000 से 12,000 मेगावाट (लिथियम ऑयन बैटरी) सुविधा के लिये एक अरब डॉलर निवेश की योजना बना रहे हैं। परियोजना के क्रियान्वयन का समय बाजार में मांग पर निर्भर करेगा। वैसे हमारा मानना है कि यह निवेश अगले पांच से सात साल में होगा।'' उल्लेखनीय है कि केंद्र ने मई में 1,100 करोड़ रुपये के अनुमानित व्यय के साथ अत्याधुनिक रसायनिक बैटरी (एसीसी) के लिये पीएलआई योजना को मंजूरी दी। विजयानंद ने कहा कि अमारा राजा मौजूदा कारोबार को बनाये रखने के लिये हर साल 400 से 500 करोड़ रुपये पूंजी व्यय कर रही है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कंपनी अगले पांच साल में राजस्व में 15 से 17 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद कर रही है और उम्मीद है कि उस समय तक यह दो अरब डॉलर की इकाई हो। अमारा राजा की आय वित्त वर्ष 2020-21 में 7,150 करोड़ रुपये रही जबकि लाभ 647 करोड़ रुपये रहा।

पिछले 250 दिनों में 80 प्रतिशत की बढ़त डिजिटल लेनदेन में : रिपोर्ट

बेंगलुरू।

भारत में पिछले 250 दिनों में डिजिटल लेनदेन में 80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और घरेलू सेवा उद्योग (जैसे बढ़ईगीरी, प्लंबिंग और बहुत कुछ) ने डिजिटल भुगतान को अपनाना शुरू कर दिया है, जिससे लेनदेन में 138 की वृद्धि हुई है। फुल-स्टैक फाइनेंशियल सॉल्यूशंस कंपनी रेजरपे की रिपोर्ट के अनुसार, 80 प्रतिशत की वृद्धि का प्रदर्शन करते हुए, विशेष रूप से टियर 2 और 3 शहरों के व्यवसायों ने डिजिटल भुगतान के लिए एक बड़ा बढ़ावा बना है। रेजरपे के सीईओ और सह-संस्थापक,हर्षिल माथुर ने कहा, जो बात मुझे वास्तव में खुश करती है, वह यह है कि पिछले 250 दिनों में एक भी क्षेत्र ने नकारात्मक वृद्धि नहीं दिखाई क्योंकि व्यवसायों ने अपने व्यवसाय के विकास को समर्थन देने और सुधारने के लिए नई भुगतान तकनीकों का उपयोग करने के महत्व को पहचाना है। हर क्षेत्र और भुगतान मोड ने शुरूआत में एक हिट लिया और 2020 की शुरूआत में ऑनलाइन भुगतान में 30 प्रतिशत की गिरावट आई, छोटे व्यवसायों, फिनटेक कंपनियों और बैंकों का पारिस्थितिकी तंत्र एक साथ आया और आज डिजिटल लेनदेन में काफी वृद्धि हुई है। बाय नाउ पे लेटर (बीएनपीएल) जैसे भुगतान विकल्पों की मांग बढ़ रही है और इसमें 220 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है, पिछले 250 दिनों के दौरान फ्रीलांसरों और घरेलू उद्यमियों द्वारा डिजिटल लेनदेन में

69 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो दर्शाता है कि इस बार लोगों ने अपने हितों को एक सफल उद्यमी मोड़ दिया है। डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर (डी2सी) व्यवसायों में पिछले 250 दिनों के दौरान राष्ट्रीय लॉकडाउन के पहले 250 दिनों की तुलना में 87 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रूस में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय सैन्य खेल में भारतीय सेना का दल भाग लेगा

नई दिल्ली। भारतीय सेना का एक 101 सदस्यीय दल दिनांक 22 अगस्त से 4 सितंबर 2021 तक अंतर्राष्ट्रीय सैन्य खेल-2021 में भाग लेने के लिए रूस रवाना होगा। यह दल विभिन्न प्रतियोगिताओं में उच्च पर्वतीय क्षेत्र, बर्फ़ के बीच सैन्य कार्रवाई, स्नाइपर कार्रवाई, बाधायुक्त मार्ग में कॉम्बैट इंजीनियरिंग कौशल आदि का प्रदर्शन करते हुए आर्मी स्काउट मास्टर्स प्रतियोगिता (एएसएमसी), एल्ब्रस रिंग, पोलर स्टार, स्निपर फ़ॉटियर और सेफ रूट गेम्स में हिस्सा लेगा। सेना का दल ओपन वाटर और फाल्कन हंटिंग गेम्स के लिए दो पर्यवेक्षकों (दोनों खेलों में एक-एक) का भी योगदान देगा, जिसमें भाग लेने वाली टीमों द्वारा पोंटून ब्रिज बिछाने और यूएवी चालक दल के कौशल का प्रदर्शन किया जाएगा। स्क्रीनिंग के तीन स्तरों के बाद भारतीय सेना के दल को सेना के विभिन्न अंगों में से सर्वश्रेष्ठ में से चुना गया है। इन वार्षिक खेलों में भाग लेना विश्व की सेनाओं के बीच भारतीय सेना के पेशेवराना स्तर का प्रतिबिंब है। यह प्रतियोगिता भाग लेने वाले देशों की सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं का उपयोग कर सेना के सेना से सहयोग भी बढ़ावा भी देती है। इससे पहले भारत उन आठ देशों में पहले स्थान पर था, जिन्होंने जैसलमेर में आर्मी स्काउट्स मास्टर प्रतियोगिता 2019 में भाग लिया था।

यह सुनिश्चित करने का समय है कि अगले ओलंपिक पदक के लिए चार दशक तक इंतजार नहीं करना पड़े

मुंबई।

भारतीय हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन किया और पुरुष टीम ने कांस्य पदक जीत लगभग चार दशक का सूखा खत्म किया। गत गुरूवार को मनप्रीत सिंह के नेतृत्व वाली टीम ने जर्मनी को 5-4 से हराकर हॉकी में कांस्य पदक जीता जो टीम का 41 वर्षों बाद ओलंपिक में पहला पदक है। इसके एक दिन बाद ही रानी रामपाल के नेतृत्व वाली महिला टीम को ग्रेट ब्रिटेन के हाथों 3-2 से हार झेलनी पड़ी और वह पदक से मामूली अंतर से चूक गई। ओलंपिक के शुरू होने पर विशेषज्ञों का मानना था कि पुरुष टीम आसानी से क्वार्टर फाइनल में पहुंचेगी और इसके बाद इस बात पर निर्भर करेगा कि उसे अंतिम-8 में किस टीम के खिलाफ खेलना है। हॉकी के भारी प्रशंसकों को भी यह विश्वास नहीं था कि महिला और पुरुष टीम सेमीफाइनल में पहुंचेंगे और पुरुष टीम कांस्य पदक लाएगी। टोक्यो ओलंपिक का समापन हो चुका है और अब समय है कि इस सफलता को आगे भी जारी रखा जाएगा। 1984 ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले जोअक्कीइम कारवाल्हो ने आईएएनएस से कहा, ऐसी चार चीजें हैं जिसपर सफलता हासिल करने के लिए जल्द ही ध्यान देने की जरूरत है। पहला खिलाड़ियों की सप्लाई लाइन में सुधार करना, सब जूनियर लेवल से ही राष्ट्रीय स्तर की ट्रेनिंग सुविधा देना और एक्सपोजर ट्रिप देना। उन्होंने कहा, हॉकी इंडिया को घरेलू इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की भी जरूरत है। उन्हें राष्ट्रीय टीम को मिलने वाली सुविधा देनी होगी जिससे हमारे पास अच्छे खिलाड़ियों का मेल रहे। उनके अनुसार, हॉकी इंडिया को निजी पार्टियों द्वारा संचालित अखिल भारतीय टूर्नामेंट संरचना को मजबूत करना चाहिए। कारवाल्हो ने कहा, हम सिर्फ साई और खेल मंत्रालय पर ही फंड के लिए क्यों निर्भर हैं। खेल को काफी ध्यान मिल रहा और अब जरूरत है कि हम खेलों में पैसा लगाएं। एक चीज स्पष्ट है कि खिलाड़ियों ने अपना काम बखूबी किया है। यह अब प्रशासकों पर है कि वे चीजों को सुधारें और यह सुनिश्चित करें कि ओलंपिक में अगले पदक के लिए और चार दशकों का इंतजार नहीं करना पड़े।

मैसी के बिना बार्सिलोना ने दोस्ताना मुकाबले में जुवेंतस को हराया

बार्सिलोना।

स्टार खिलाड़ी लियोनल मैसी के बिना खेले गए अपने पहले मुकाबले में एफसी बार्सिलोना ने जुवेंतस को जोआन गाम्पेर ट्रॉफी के वार्षिक दोस्ताना मैच में रविवार को 3-0 से हराया। जोहान क्रुफ स्टेडियम में खेले गए मैच में बार्सिलोना की ओर से मेमफिस डीपे ने तीसरे मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद मार्टिन ब्रैथवेट ने 57वें मिनट में दूसरा गोल कर बढ़त हासिल की। अंत में रिकी पुइग ने 92वें मिनट में गोल कर टीम को एकतरफा जीत दिलाई। पूरे मैच के दौरान मेजबान ने आक्रमक रूख अपनाया और प्लेंटी ऑफ मूवमेंटतथा स्मार्ट पास के जरिए मैच पर पकड़ बनाए रखी। इस जीत के साथ ही बार्सिलोना ने 44वीं बार तथा लगातार नौंवें साल जोआन गाम्पेर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। मैच शुरू होने से कुछ घंटे पर प्रेस कांफ्रेंस में मैसी को विदाई दी गई। बार्सिलोना के साथ नए करार पर सहमति नहीं बनने के कारण मैसी ने 21 साल इस क्लब के साथ अपनी राहें जुदा कर ली हैं। मैसी के जाने का मतलब है कि उनके और क्रिस्टिनो रोनाल्डो के बीच मुकाबला देखने को नहीं मिलेगा। मैसी के बाद का जीवन बार्सिलोना के लिए आसान नहीं होगा क्योंकि वह 15 अगस्त को अपने पहले ला लीगा मैच में रियल सोसिएदाद की मेजबानी करेंगे।

खेल रत्न पुरस्कार का नाम मेजर ध्यानचंद किया जाना बिलकुल सही : गंभीर

नई दिल्ली।

क्रिकेटर से राजनेता बने गौतम गंभीर ने खेल रत्न पुरुस्कार को लेकर बयान बाजियां कर रहे लोगों को करारा जवाब दिया है। गंभीर ने कहा कि राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार का नाम मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार किया जाना बिलकुल सही है। उन्होंने कहा कि ये चीज पहले ही हो जानी चाहिए थी, जब खेल रत्न सम्मान शुरू हुआ था, तभी किसी खिलाड़ी के नाम पर होना चाहिए था। साथ ही कहा कि मेजर ध्यानचंद से बड़ा कोई खिलाड़ी नहीं है। गौरतलब है कि टोक्यो ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीमों के शानदार प्रदर्शन के बाद सरकार ने इस सम्मान का नाम महान हॉकी खिलाड़ी ध्यानचंद के नाम पर रख दिया। इस फैसले का भारतीय खेल जगत ने भी स्वागत किया है। गंभीर ने ट्वीट किया, ''किसी (खेल) नायक का नाम पुरस्कार को और भी अधिक प्रतिष्ठित बनाता है।

टोक्यो में इतिहास रचने वाले खिलाड़ियों का हुआ जोरदार स्वागत, एयरपोर्ट पर उमड़ पड़ी भीड़

नई दिल्ली।

ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचने वाले भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के साथ भारतीय ओलंपिक दल का सोमवार को यहां पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया लेकिन देश के नायकों की झलक पाने के लिए हवाई अड्डे के बाहर जमा भारी भीड़ से अफरा तफरी जैसी स्थिति हो गयी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के महानिदेशक संदीप प्रधान की अध्यक्षता में एक प्रतिनिधिमंडल ने खिलाड़ियों का स्वागत किया। उनके साथ भारतीय एथलेटिक्स संघ के प्रमुख आदिल सुमारिवाला भी थे। यहां पहुंचने पर खिलाड़ियों का माल्यार्पण किया गया और गुलदस्ते भेंट किए गए। हवाई अड्डे के कर्मचारियों ने ताली बजाकर उनकी सराहना की और समर्थकों तथा मीडिया कर्मियों की भारी उपस्थिति के कारण बनी अफरा तफरी की स्थिति के बीच उनके लिए बाहर निकलने का रास्ता बनाया। ऐतिहासिक प्रदर्शन कर लौटे सितारों की एक झलक पाने के लिए जमा हुई भारी भीड़ को महामारी के दौरान लागू सामाजिक दूरी के नियमों की कोई परवाह नहीं थी। हवाई अड्डे के अंदर और बाहर परिवार के सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में प्रशंसक और कुछ स्थानीय नेता मौजूद थे। यह प्रशंसक भारतीय तिरंगा लहरा रहे थे और ढोल तथा बैंड की धुनों पर गाने और थिरकने के साथ पदक विजेता खिलाड़ियों का जयघोष कर रहे थे। कुछ प्रशंसक हवाई अड्डे के बाहर उत्साह में पुश-अप्स कर रहे थे और हाथों में

खिलाड़ियों के स्वागत में तख्तियां लेकर खड़े थे। हवाई अड्डे के अंदर चोपड़ा और अन्य पदक विजेताओं के साथ सेल्फी लेने की होड़ मची थी जिससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ा। खुद को उभरती हुई एथलीट बताने वाली एक छोटी लड़की ने कहा, ''हम यहां अपने नायकों का समर्थन करने आये है। हमें उन पर गर्व हैं। सबसे नाटकीय तरीके से कांस्य-पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया बाहर निकले। वह एक एसयूवी के 'सनरूफ% से बाहर निकल कर हाथ हिलाते हुए प्रशंसकों का अभिवादन कर रहे थे, इस दौरान कई प्रशंसक यातायात नियमों की अनदेखी करते हुए उनके साथ चल रहे थे। बजरंग को इन खेलों से पहले स्वर्ण पदक का दावेदार माना जा रहा था लेकिन वह कांस्य पदक के साथ लौटे।

संक्षिप्त समाचार

फ्लाइवेट मुक्केबाज की तरह हेवीवेट के चारों ओर चक्कर लगा रही थी : अदिति

नई दिल्ली। भारतीय महिला गोल्फर अदिति अशोक ने अपने खेल में हेवीवेट्स के खिलाफ खेलने को लेकर बताया कि वह टोक्यो ओलंपिक में एक फ्लाइवेट मुक्केबाज की तरह हेवीवेट के आसपास चक्कर लगा रही थीं। विश्व रैंकिंग में 200वें स्थान पर मौजूद अदिति ने टोक्यो में अपने प्रदर्शन से सभी को चकित किया। वह चार राउंड में शीर्ष तीन पर थीं लेकिन फाइनल में चौथे स्थान पर खिसक गईं, जिस कारण वह पदक से चूक गईं। अदिति ने ट्वीट कर कहा, हेवीवेट के आसपास मैं एक फ्लाइवेट मुक्केबाज की तरह थीं। अगर मैं शूटिंग में होती तो मेरा हथियार बीबी गन होगा। यह मेरी तुलना है। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, अच्छी यादों के साथ टोक्यो से जा रही हूं। गोल्फ टूर्नामेंट में चौथा स्थान हासिल करने के बाद यह शायद सबसे अधिक निराश करने वाला है। मैंने अंत तक पूरी कोशिश की। आपको हमेशा वो नहीं मिलता जिसके आप योग्य होते हैं लेकिन आपको इसे पाने के लिए मेहनत करनी होती है। अदिति ने कहा, उन सभी लोगों का धन्यवाद जिन्होंने मुझे खेलते हुए देखा और मेरा समर्थन किया, विशेषकर मेरा भारत देश। कोई भी शब्द उन सभी के प्रति आभार व्यक्त नहीं कर सकता जो मुझे खेलते हुए देखने के लिए जल्दी उठ गए।

ब्रिटेन में पहले टेस्ट में भारतीय खिलाड़ियों को फिर होना पड़ा नस्लीय टिप्पणी का शिकार

लंदन। रंग भेद और नस्लीय भेदभाव को लेकर दुनिया में खिलाड़ियों को सबसे ज्यादा असहिष्णुता का शिकार होना पड़ता है। साल की शुरूआत में ही भारतीय टीम पर ऑस्ट्रेलिया में नस्लीय टिप्पणी की गई थी। ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसकों ने भारतीय खिलाड़ियों को कई अपशब्द भी कहे। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय खिलाड़ियों पर हुई इस नस्लीय टिप्पणी ने काफी विवाद पैदा किया। लेकिन अब इंग्लैंड में भी भारतीय खिलाड़ियों पर नस्लीय टिप्पणी की गई है। इसको लेकर इंग्लैंड में रहने वाली एक भारतीय महिला ने खुलासा किया है। महिला ने कहा कि टेस्ट मैच के दौरान भारतीय खिलाड़ियों को लेकर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया। महिला ने इसके बारे खुलासा करते हुए कहा कि नॉटिघंम में इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दौरान स्टेडियम में बैठे दर्शकों ने भारतीय खिलाड़ियों को लेकर अपशब्द कहे। स्टेडियम में बैठे इंग्लैंड के प्रशंसकों ने भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को लेकर अभद्र भाषा का उपयोग किया। वहीं कप्तान विराट कोहली को धोखेबाज कोहली कहा गया। इतना ही नहीं इंग्लैंड के फैंस ने भारतीय खिलाड़ियों को सुस्त और धोखेबाज भी कहा। महिला ने आगे बताया कि मैच के दौरान इंग्लैंड प्रशंसकों ने अभद्र इशारों का इस्तेमाल भी किया। जब महिला ने उन्हें ऐसा करने से मना किया तो प्रशंसकों ने उस महिला की नागरिकता को लेकर सवाल करना शुरू कर दिया।

भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम का कैंप कोलकाता में 15 अगस्त से

नई दिल्ली।

भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम का आने वाले अंतरराष्ट्रीय दोस्ताना मैचों को देखते हुए कोलकाता में 15 अगस्त से कैंप शुरू होगा। कैंप की शुरूआत 15 अगस्त से होगी लेकिन ट्रेनिंग सत्र 16 अगस्त से शुरु होंगे। फीफा विश्व कप क्वालीफायर्स से पहले आखिरी बार भारतीय टीम ने 2006 में कोलकाता में कैंप किया था। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बयान जारी कर कहा, मौजूदा महामारी स्थिति को देखते हुए कैंप बायो बबल में सभी स्वास्थ्य सुरक्षा के तहत होगा। दल के सभी सदस्यों का रोजाना टेस्ट किया जाएगा। मुख्य कोच इगोर स्टीमैक ने 23 संभावितों की शुरूआती सूची जारी की है जिसमें एटीके मोहमन बगान और बेंगलुरु एफसी के खिलाड़ियों को उनके कॉन्टिनेंटल टूर्नामेंट की प्रतिबद्धताओं के कारण बाहर रखा गया है। स्टीमैक ने कहा, मैं अपने खिलाड़ियों के साथ एक बार फिर मिलने के लिए बहुत खुश हूं और हम सभी आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार हैं। मैं दोनों भारतीय क्लबों को शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कि ये

एएफसी कप में अच्छा करेंगे।

टीम इस प्रकार है:

गोलकीपर : धीरज सिंह मोएरांगथेम और विशाल कैथ

डिफेंडर : आशीष राय, सेरिटॉन फर्नांडेस, आदिल खान, चिंगलेनसाना सिंह, नरेंद्र, राहुल भीके, आकाश मिश्रा और मंदार राओ देसाई

मिडफील्डर : लालेंगमाविया, ग्लान मार्टिस, जिएकसन सिंह, अनिरूद्ध थापा, ब्रैंडन फर्नांडेस, साहल अब्दुल समाद, हलिचरण नारजरी, बिपिन सिंह और यासिर मोहम्मद

फॉरवर्ड : राहुल केपी, फारूख चौधरी, ईशान पंडिता और रहीम अली।

चेन्नईयन एफसी ने निविया को आधिकारिक किट पार्टनर बनाया

चेन्नई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की दो बार की विजेता चेन्नईयन एफसी ने स्पोर्टस ब्रांड निविया को अधिकारिक किट पार्टनर बनाया है। यह करार आईएसएल के 2021-22 सीजन से शुरू होगा। क्लब की सह मालिक वीता दानी ने बयान जारी कर कहा, हम निविया के साथ जुड़कर उत्साहित हैं जो भारत में फुटबॉल इकोसिस्टम का सफल स्पोर्टस ब्रांड है। यह साझेदारी स्पष्ट रूप से खेल के भीतर हमारे प्रभुत्व को रेखांकित करती है और हमारे वितरण नेटवर्क के माध्यम से पूरे तमिलनाडु में अपनी पहुंच बढ़ाने में हमारी मदद करेगी। हम इनका चेन्नईयन परिवार में स्वागत करते हैं। इस सौदे के माध्यम से, निविया के पास चेन्नईयन के टेक-डाउन और प्रतिकृति जर्सी पर विशेष खुदरा बिक्री अधिकार होंगे। निविया के प्रबंध निदेशक राजेश खरबानंदा ने कहा, आईएसएल का नया सीजन शुरू होने को है और निविया को दो बार की चैंपियन चेन्नईयन एफसी के साथ जुड़कर गर्व हो रहा है। हम टीम को आने वाले सीजन के लिए शुभमकानाएं देते हैं। निविया इससे पहले 2018 में लीग के आधिकारिक बॉल पार्टनर के रूप में तीन साल केकई करोड़ सौदे में आईएसएल से जुड़ी थी। इस ब्रांड ने भारत, श्रीलंका और भूटान के राष्ट्रीय फुटबॉल महासंघों के साथ भी काम किया है।

वीपीएस हेल्थकेयर देगी श्रीजेश को करोड़ का इनाम

तिरूवनन्तपुरम। खाड़ी देशों में रहने वाले एक भारतीय कारोबारी वीपीएस हेल्थकेयर के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक डा. शमशीर वायालिल ने टोक्यो ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपर पी आर श्रीजेश को एक करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। श्रीजेश ने ओलंपिक में कई अहम अवसरों पर गोल रोके थे। भारतीय हॉकी टीम को चार दशक बाद मिले कांस्य पदक में श्रीजेश की भी अहम भूमिका रही थी। भारत ने कांस्य पदक के रोमांचक मुकाबले में जर्मनी को 5-4 से हराया था। वायालिल ने कहा, ''हम श्रीजेश के योगदान की सराहना करते हैं और हमें उनके लिये एक करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है।''

कपिल के शादी के सवाल पर बोले नीरज, अभी पूरा ध्यान खेल पर ही

नई दिल्ली ।

ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद से ही छाये हुए भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा तब शरमा गये जब महान क्रिकेटर कपिल देव ने उनसे शादी को लेकर सवाल पूछा। कपिल ने स्वर्ण पदक पर जब नीरज को बधाई दी तो उन्होंने कहा कि आप जैसे बड़े खिलाड़ियों को देखकर ही हमने सीखा है और अब हम अच्छा करने की कोशिश कर रहे हैं जिससे आने वाली पीढ़ी बेहतर कर सके। वहीं शादी के सवाल पर नीरज के चेहरे पर हल्की सी मुस्कान आ गई और उन्होंने जवाब दिया, 'अभी उनका पूरा ध्यान खेलों पर ही है।' कपिल ने कहा, 'आपके अभिभावकों ने कहा है कि आपको अभी दो बार और स्वर्ण पदक लेकर आने हैं। इसका मतलब है कि 7-8 साल और आपको चाहिए। इसका मतलब तो यह भी है कि आपके अभिभावकों का अगले कुछ साल तक आपकी शादी करने का कोई इरादा नहीं है। क्या यह आपको स्वीकार है। नीरज ने इस पर शर्माते हुए जवाब दिया पता नहीं जब समय आएगा तो वह भी हो जाएगी। अभी मेरा ध्यान खेलों पर ही है, इसलिए मन और ध्यान उसी के ऊपर लगाना है। बाकि जो होना होगा वह हो जाएगा। इस पर कपिल ने आगे पूछा कि कहीं ऐसा तो नहीं है कि आपने अपनी कोई फ्रेंड रखी हो? या जो मां-बाप पर छोड़ दिया हो कि जो मां-बाप कहेंगे उसकी के साथ चलेंगे।

इसपर नीरज ने कहा अभी तो खेल पर ही पूरा ध्यान लगा रखा है। आने वाले समय में कुछ भी हो सकता है। मां-बाप को अच्छा लगेगा तो वह भी ठीक है। हमें भी

अच्छा लगेगा तो हम भी उनसे बात करने की कोशिश करेंगे। अगर वह मान जाएं तो कुछ भी हो सकता है।

टोक्यो ओलंपिक खेलों के दौरान सामने आए कोविड-19 के 458 मामले

टोक्यो । टोक्यो ओलंपिक के आयोजकों ने सोमवार को कोविड-19 के 28 नए मामलों की घोषणा की लेकिन इनमें कोई खिलाड़ी शामिल नहीं है। तोक्यो ओलंपिक का आयोजन दर्शकों के बिना किया गया और आयोजकों के अनुसार रविवार को समाप्त हुए इन खेलों के दौरान कोविड-19 के कुल 458 मामले सामने आए। नए मामलों में 13 ठेकेदार और छह खेलों से जुड़े व्यक्ति शामिल हैं। इसके अलावा छह स्वयंसेवक, तोक्यो 2020 के दो कर्मचारी और एक मीडियाकर्मी भी संक्रमित पाया गया। इनमें से 21 जापान के निवासी हैं। ओलंपिक के दौरान इन खेलों से जुड़े जितने मामले सामने आए उनमें से 307 जापान के निवासी थे। खेल शुरू होने लेकर समापन तक जो 458 मामले सामने आये उनमें 29 खिलाड़ी भी शामिल हैं। खेलों के दौरान विदेशों से कुल 42711 मान्यता प्राप्त लोग जापान पहुंचे थे। इनमें खिलाड़ी, अधिकारी, मीडियाकर्मी आदि शामिल हैं। महामारी के बावजूद तोक्यो ने सफल ओलंपिक खेलों का आयोजन किया। इनका समापन रविवार को रंगारंग समारोह के साथ हुआ। अमेरिका ने 39 स्वर्ण पदक जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। चीन 38 स्वर्ण लेकर दूसरे जबकि जापान रिकार्ड 27 स्वर्ण के साथ तीसरे स्थान पर रहा। भारत ने एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य सहित कुल सात पदक जीतकर ओलंपिक खेलों में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

कठिन चुनौती है वर-वधू का चुनाव

मीता और मोहन दोनों ने प्रेम विवाह किया और विवाह के कुछ समय बाद दोनों में तलाक हो गया। रीता और रमेश दोनों का विवाह माता-पिता ने अपनी पसंद से किया लेकिन उनमें भी नहीं बनी और उनका भी तलाक हो गया। अब प्रश्न उठता है कि वर-वधू का चुनाव किस तरह किया जाए कि उनका वैवाहिक जीवन सफल व खुशियों से भरा-पूरा हो।

आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है। अब न तो माता-पिता के भरोसे वर-वधू का चुनाव छोड़ा जाए और न ही पूर्णत: लड़के-लड़कियों के भरोसे।

वर्तमान समय में ये दोनों ही व्यवस्थाएं अपने आप में अपूर्ण हैं। वैवाहिक जीवन की गाड़ी लड़के-लड़की द्वारा ही चलेगी, माता-पिता द्वारा नहीं। इसलिए यह जरूरी है कि मध्य मार्ग का अनुसरण करते हुए वर और वधू को शादी से पहले एक-दूसरे के विचार, पसंद, नापसंद, भावनाएं, रुचियां, शिक्षा-दीक्षा और संस्कार आदि को भली प्रकार जानने-समझने की आवश्यकता होती है।

इस समस्या को हल करने के लिए कोई बीच का रास्ता अपनाया जाए। लड़के-लड़कियों को एक-दूसरे को जानने, समझने का मौका दिया जाए, एक-दूसरे की रूचियों, स्वभाव, संस्कार आदि सभी बातों को अच्छी तरह समझ लिया जाए पर यह स्वतंत्र रूप से नहीं वरन माता-पिता की सहमति से ही होना चाहिए।

इस संबंध में एक उदाहरण ध्यान देने योग्य है देवदास गांधी (महात्मा गांधी के पुत्र) और राजगोपालाचारी की पुत्री, दोनों के निकट संपर्क होने के कारण प्रेम हो गया और दोनों ने शादी की इच्छा जतलाई। गांधीजी और राजगोपालाचारीजी ने इस समस्या पर विचार कर यह निर्णय दिया कि यदि आगे पांच साल तक दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर देंगे। दोनों ने पांच साल तक प्रतीक्षा की और पवित्र जीवन बिताया। इस परीक्षा के बाद जब दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर दिया गया। इस तरह हम देखते हैं कि जब तक प्रेम की परीक्षा न हो जाए, वह आंतरिक और शुद्ध न हो तब तक प्रेम विवाह को टालना ही हितकारी है। भावावेश में लिया गया निर्णय कभी वास्तविक प्रेम नहीं हो सकता।

आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है।

अनुभवहीन लड़के

लड़कियां, बिना जाने-समझे आस-पड़ोस या कहीं निकट संपर्क में आने पर इस तथाकथित प्रेम के चक्कर में फंसकर प्रेम-विवाह कर लेते हैं तो आगे चलकर कुछ समय बाद उनका वैवाहिक जीवन प्राय: कष्टकारी ही बीतता है। वर-वधू का चुनाव करते समय एक महत्वपूर्ण बात यह ध्यान में रखने योग्य है कि इसमें धन को विशेष महत्व न दिया जाए। इस दृष्टि से विवाह करना कि वर पक्ष अधिक धन-संपत्ति वाला है या वधू पक्ष से अधिक दहेज मिलेगा, यह बहुत बड़ी भूल है। अधिकांश लोग धन के लालच में पड़कर वर या वधू के न तो गुण, कर्म, स्वभाव, स्वास्थ्य या योग्यता को महत्व देते हैं और न ही उनके चरित्र, संस्कार व आदर्शों को। परिणामस्वरूप ऐसा वैवाहिक जीवन प्राय: कष्टकारी, नारकीय अथवा असफल जैसा ही हो जाता है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि वर-वधू का चुनाव करते समय देखने वाली महत्वपूर्ण बाते ये हैं कि दोनों का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य उत्तम हो। दोनों के आचार-विचार मिलते हों, जरूरी समझ और पैनी दृष्टि हो। इसके अतिरिक्त शिक्षा-दीक्षा, उत्तम संस्कारों का मेल एवं सूझबूझ वर-वधू के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।

हाल ही में सोशल मीडिया में एक पति का लिखा वो पत्र लोगों को भावुक कर गया, जिसमें उसने अपनी पत्नी को समर्पण के लिए शुक्रिया कहा और कृतज्ञता जताई। पति ने लिखा कि एक गृहिणी होने के नाते मुझे लगता था कि मेरी पत्नी घर पर रहती है तो उसके पास काम ही क्या है? इसलिए मैंने उसे कभी उसके काम का क्रेडिट नहीं दिया। वह दिनभर घर और बच्चे की देखभाल में थकी रहती। लेकिन मुझे घर लौटने पर हमेशा अपनी ही थकान दिखती।

गृहिणियों का श्रम भी मान का हकदार

ऑफिस से लौटकर मैं उसे अक्सर यही कहता कि तुमने क्या किया दिनभर? लेकिन अब गंभीरता से सोचने पर लगता है कि यह महिला कितनी गजब की है। जो बच्चे और घर की अनगिनत जिम्मेदारियां अकेले ही संभालती है। इतना सोचा तो खुद पर ही गुस्सा आया। इसलिए सबसे कहूंगा कि अपने बच्चों की मां का सम्मान करें। जो घर-परिवार के लिए अपनी हर खुशी से नाता तोड़ लेती हैं।

हर मोर्चे पर है डटी

चिंता में डूबी पत्नी, नसीहतें और समझाइशें देती मां, बड़ों की देखभाल का जिम्मा उठाने वाली बहू और नाते रिश्तेदारी के बुलावे और दिखावे की रीति-नीति निभाने वाली एक जिम्मेदार स्त्री। वह हर मोर्चे पर डटी रहती है। भागती है, दौड़ती है, हांफती है, थकती है। भीतर ही भीतर जूझती भी है। बस, मन की नहीं कहती कभी। गृहिणी जो है। सामाजिक-पारिवारिक छवि कुछ ऐसी कि वह सब कुछ करती है पर कुछ नहीं कहती। वाकई, गृहिणी के रूप में स्त्री की यह भूमिका साधारण होकर भी कितनी असाधारण है। रोजमर्रा की अनगिनत जिम्मेदारियों को निभाते हुए समय के साथ कितना कुछ रीत जाता है गृहिणियों के मन के भीतर। लेकिन इसे समझने का अवकाश ना उसे मिलता है और ना ही उसके अपनों को।

बदलते समय में बढ़ी जिम्मेदारियां

समय के साथ गृहिणी की भूमिका भी बदल गई है। लेकिन उसके हिस्से आई जिम्मेदारियां कम नहीं हुई हैं। आज हर काम के लिए घरों में मशीनें मौजूद हैं पर उसकी भागमभाग अब भी जारी है। पहले जिम्मेदारियां तो थीं लेकिन दायरा सीमित था। मगर आज दायरा असीमित है घर से लेकर बाहर की जिम्मेदारी के अलावा बच्चों की पढ़ाई से लेकर फ्यूचर इंवेस्टमेंट की तैयारियों में वह जुटी रहती है। फिर भी वह हर बात में तालमेल बैठा ही लेती है।

सबके लिए कुछ न कुछ

चाहे गांव हो या शहर सुबह सबसे पहले बिस्तर छोड़ने और रात को सबके बाद अपने आराम की सोचने वाली महिलाएं पति, बच्चों और घर के अन्य सदस्यों की देखरेख में इतनी व्यस्त हो जाती हैं कि खुद को हमेशा दोयम दर्जे पर ही रखती हैं। दूसरों की शर्तों, इच्छाओं और खुशियों के लिए जीने की उन्हें न केवल आदत-सी हो जाती है बल्कि किसी काम में जरा-सी भी कमी रह जाए तो, वे अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। लेकिन फिर भी देखने में आता है कि उन्हें ताने ही सुनने को मिलते हैं। उनके काम का श्रेय और सम्मान उनके हिस्से नहीं आता। कुल मिलाकर कहा जाए तो वो एक ऐसा 'सपोर्ट सिस्टम है जो हमें जीने का हौसला देती हैं। न कोई छुट्टी ना कोई वेतन। सच कहें तो कोई गृहिणी वेतन चाहती भी नहीं। पर वो अपनों की जो सेवा सहायता करती है उसके बदले सम्मान की अपेक्षा तो करती ही है जो कि उसका मानवीय हक भी है। एक राष्ट्रीय सर्वे के मुताबकि 45 प्रतिशत ग्रामीण और 56 प्रतिशत शहरी महिलाएं जिनकी उम्र पंद्रह साल या उससे ज्यादा है पूरी तरह से घरेलू कार्यों में लगी रहती हैं। यह आंकड़ा हैरान करने वाला है कि 60 साल से ज्यादा की उम्र वाली एक तिहाई महिलाएं ऐसी हैं, जिनका सबसे ज्यादा समय इस आयु में भी घरेलू कार्यों को करने में ही जाता है।

भागीदारी का आर्थिक पहलू

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ भारत में ही महिलाएं दिनभर में 352 मिनट अवैतनिक कार्यों को करने में बिताती हैं। यानी इन कामों के लिए उन्हें कोई आर्थिक लाभ नहीं मिलता। जबकि कुछ सालों पहले अमेरिका में हुए एक अध्ययन ने वहां गृहिणियों द्वारा किए गए घरेलू कामों की सालाना कीमत 57 लाख रुपए के बराबर आंकी थी। गौरतलब है कि पश्चिमी देशों में घर की जिम्मेदारियां केवल महिलाओं के हिस्से नहीं हैं। इसलिए वहां गृहिणी के रूप में भी महिलाओं के श्रम और आर्थिक भागीदारी के पक्ष को महत्व दिया जाता है। जबकि हमारे यहां का रहन-सहन और सामाजिक ढांचा कुछ इस तरह का है कि घर पर रहने वाली महिलाओं के हिस्से में काम विकसित देशों से ज्यादा हैं और सुविधाएं कम हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि हमारे यहां घरेलू कार्य का जिम्मा पूरी तरह से महिलाओं का ही होता है। पुरुषों का सहयोग नाममात्र को ही मिलता है। हमारे यहां घरेलू कामकाज में पुरुषों की भागीदारी प्रतिदिन केवल 19 मिनट है।

अनदेखी की शिकार

गृहिणी हर परिवार की पृष्ठभूमि तैयार करती है। किसी कलाकृति को उकेरने के लिए जो स्थान कैनवास का होता है घर के सदस्यों के जीवन में वही भूमिका होती है गृहिणियों की। ये बात और है कि तस्वीर बन जाने पर वे भी कैनवास की तरह ही कहीं पीछे छुप जाती हैं। शायद यही वजह है कि इस रूप में महिलाओं की भागीदारी को हर जगह और हर हाल में अनदेखा करने की ही कोशिश की जाती है। घर का कोई भी सदस्य किसी भी समय कह देता है कि 'तुम दिन भर घर में करती ही क्या हो?'

मनोवैज्ञानिक आधार

मनोवैज्ञानिक रूप से देखा जाय तो यह अनदेखी एक अपराधबोध के भाव को जन्म देती है। वे सबके साथ होकर भी अकेली हो जाती हैं। उनके मन में सब कुछ करके भी खुद को कुछ भी करने योगय ना समझने का भाव इतना गहरा जाता है कि वे तनाव और अवसाद की शिकार बन जाती हैं। एक हालिया अध्ययन में भी सामने आया है कि 96 फीसद महिलाएं दिन में कम से कम एक बार खुद को दोषी या अपराधी मानती हैं। अपराधबोध से जुड़ा उनका यह भाव अधिकतर मामलों में बच्चों की परवरिश या परिवार की संभाल से ही जुड़ा होता है। इसके बावजूद उनके कार्यों का आकलन ठीक से नहीं किया जाता है।

पेरेंट्स को शर्मिंदगी से बचाती है टॉयलेट ट्रेनिंग, और भी कई काम आती है ये सीख

बच्चों को अगर टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाए, तो इससे पेरेंट्स का काफी काम आसान हो जाता है। बच्चे कभी भी कहीं भी पेशाब या पॉटी नहीं करते हैं जिससे घर साफ रहता है

छोटे बच्चों यानि टॉडलर एज में बच्चों को पॉटी ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें बच्चों को खुद टॉयलेट जाना सिखाया जाता है। आप 8 से तीन साल के बच्चे को पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग सिखा सकते हैं। 18 महीने के होने के बाद बच्चे का अपने ब्लैडर यानि मूत्राशय पर कंट्रोल आता है। इसलिए एक साल के होने बाद ही आप बच्चे को पेशाब और पॉटी करना सिखाना शुरू कर दें।

बच्चे के लिए क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग

बच्चे के लिए उसकी उम्र के हिसाब से पॉटी सीट लाएं। इन्हें बच्चे के कंफर्ट के हिसाब से ही डिजाइन किया जाता है। हालांकि, बच्चे को ये ट्रेनिंग देने के लिए आपको बहुत समय और धैर्य की जरूरत होगी।

कैसे दें पॉटी ट्रेनिंग

आप ध्यान दें कि बच्चा दिन में कितनी बार पेशाब या पॉटी करता है और उसका समय क्या है। क्या पेशाब या पॉटी आने से पहले कोई आवाज करता है या मुंह बनाता है। जब आप इस पैटर्न को समझ जाएंगे, तब आसानी से बच्चे को ट्रेन कर पाएंगे।

साउंड का करें इस्तेमाल

जब बच्चे को पॉटी आती है, तो आप एक आवाज निकालें। बच्चे को सिखाएं कि ये आवाज सुनने पर उसे पॉटी करनी है। कई लोग बच्चे को पेशाब करने के लिए 'स्स्स्स' की आवाज निकालते हैं। जब भी बच्चे को टॉयलेट जाना हो, तो आप ऐसी आवाज निकालें।

थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट ले जाएं

बच्चे को थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट लेकर जाएगा। सुबह उठने के बाद या खाना खाने के बाद बच्चे को टॉयलेट लेकर जाएं। ऐसा करने पर बच्चे को समझ आने लगेगा कि टॉयलेट में आने पर उसे पेशाब या पॉटी करनी है। टॉयलेट में आपको बच्चे से बात भी करनी है। उसे गाना सुनाएं या उसकी पसंद का खिलौना दें। उसकी पसंद की चीज पर ध्यान देने से बच्चा पॉटी ट्रेनिंग की प्रक्रिया को आसानी से समझ पाएगा।

साइन आएंगे काम

जब भी बच्चे को पेशाब या पॉटी आए तो आप कुछ साइन यानि संकेतों का इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चा जल्दी ही इन संकेतों को समझने लग जाएगा और पेशाब या पॉटी आने पर आपको इन संकेतों की मदद से बता देगा।

क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग

जन्म के बाद शुरुआती कुछ महीनों में शिशु दूध पीता है और थोड़ी-थोड़ी देर में पॉटी करता है। लेकिन जब बच्चा थोड़ा बड़ा हो जाता है और खेलने-कूदने लगता है या आपके साथ कहीं बाहर या किसी के घर जाने लगता है, तो उसे पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग देनी बहुत जरूरी होती है। सोचिए, आप अपने बच्चे को किसी रिश्तेदार या दोस्त के घर लेकर गईं हैं और वहां पर बच्चे ने उनके सोफे या पलंग पर ही पेशाब या पॉटी कर दी तो आपको कितनी शर्मिंदगी महसूस होगी। इस तरह की परिस्थितियों से बचने के लिए ही बच्चों को टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाती है। टॉयलेट ट्रेनिंग के बाद बच्चे खुद ही कुछ संकेतों की मदद से आपको बता देंगे कि उन्हें टॉयलेट जाना है।

क्या बारिश में आपके भी तौलिए से बदबू आती है? कैसे दूर करें

बारिश के दौरान अक्सर तौलिए में से बदबु आने लगती है जिससे पूरा मूड ऑफ हो जाता है। इतना ही नहीं त्वचा की निखार पर भी असर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि गिले या नमी वाले तौलिये में बैक्टीरिया पनप जाते हैं। इस वजह से त्वचा संबंधित परेशानी भी हो सकती है। तो आइए जानते हैं कैसे आसान तरीकों से तौलिए से आ रही बदबू को भगाएं।

- सबसे पहली बात, कई लोग टॉवेल को ठीक करके उन्हें बाथरूम में रख देते हैं। लेकिन नमी के कारण उनमें बैक्टीरिया पनप जाते हैं। और वह बदबू मारने लगते हैं। इसके बाद वहीं टॉवेल का उपयोग त्वचा संबंधित कुछ भी परेशानी हो सकती है। इसलिए तौलिए को बारिश के दिनों में सुखी जगहों पर ही रखें।
- अक्सर नहाने के बाद लोग तौलिए को कही भी डाल देते हैं। ऐसे में बहुत बदबू आने लगती है। मौसम कोई-सा भी हो नहाने के बाद तौलिए को हमेशा किसी भी स्टैंड या रस्सी पर ही डालें। जिससे टॉवेल का गीलापन सुख जाएगा और बदबू भी नहीं आएगी।
- बारिश में दो तौलिए का इस्तेमाल कीजिए। और तौलिए को हर 2 दिन में धोते रहिए। जिससे बदबू नहीं आएगी और बैक्टीरिया भी नहीं पनपेंगे। मानसून सीजन में धूप बहुत कम निकलती है लेकिन जब भी धूप निकलती है तो गीले कपड़ों को धूप में जरूर डालें। इससे किसी भी कपड़ों में से बदबू नहीं आएंगी। साथ ही तौलिए को धूप में जरूर रखें।
- बारिश के सीजन में कपड़ें अगर नहीं सूखते हैं तो उन्हें आप पंखे की हवा में सुखा लीजिए। इससे बदबू नहीं आएगी।
- बारिश के दौरान सर्फ का इस्तेमाल थोड़ा अधिक कर लीजिए। इससे कपड़ों में से सर्फ की सुगंध के बीच बदबू दब जाएगी। साथ ही आप कपड़ों को धोने के दौरान हल्का सा डेटॉल का प्रयोग भी कर सकते हैं इससे भी कपड़ों में से बहुत कम दुर्गंध आएंगी। हल्की बदबू आने पर आप हल्का स्प्रे भी कर सकते हैं।

5 मिनट में तैयार करें नेल सीरम बढ़ जाएगी हाथों की खूबसूरती

बड़ें और मजबूत नाखून हाथों की शान को बढ़ा देते हैं। नाखून लंबे होने पर उंगलिया भी लंबी लगती है और नाजुक दिखती है। साथ ही हाथ खूबसूरत लगते हैं। अक्सर लड़कियां अपने नाखूनों पर लंबे वक्त तक नेल पेंट लगाकर रखती है। इतना ही नहीं नेल आर्ट भी दो या तीन महीने के लिए करवाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं चेहरे की तरह नाखून की केयर करना भी जरूरी है। वरना नाखून भी बेजान हो जाते हैं और वह टूटने लगते हैं। जरूरी यह भी नहीं है कि हमेशा महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर नाखून को सुंदर बनाया जा सकता है। दादी - नानी के नुस्खें आज भी बहुत कारगर है। तो आइए जानते हैं कैसे घर पर नेल सीरम तैयार करें ताकि नाखुनों को भी चेहरे की तरह ग्लो मिले।

सामग्री - 1 छोटा चम्मच एलोवेरा जेल, 2 विटामिन ई कैप्सूल, 1 छोटा चम्मच नारियल तेल

विधि - सभी को एक कटोरी में मिलाएं।

- इसके बाद किसी कंटेनर में भर लें।
- आपका सीरम तैयार है। अब इसे फ्रीज में स्टोर कर सकते हैं।

नेल सीरम लगाने का तरीका

- सबसे पहले अपने नाखून को अ से धो कर पोंछ लें।
- इसके बाद एक कच्ची लहसुन की कली लें, छिलकर।
- उसे हल्के हाथों से रगड़े। क्योंकि तेज रगड़ने पर जलन भी हो सकती है।
- 10 मिनट के लिए छोड़ दें।
- इसके बाद तैयार नेल सीरम से मसाज करें।
- 10 मिनट लगा रहने दे और बाद में धो लें।
- फिर देखिए आपके नेल कितने साफ और सुंदर दिखेंगे।

नेल सीरम के फायदे

- नेल सीरम लगाने के बाद नाखूनों की सफाई होती रहेगी।
- नाखूनों की चमक बढ़ेगी।
- वह मजबूत होंगे और सुंदर दिखेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक वैन में गैस सिलेंडर फटने से 10 लोगों की मौते

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक मिनी बस से टक्कर लगने के बाद एक वैन में गैस सिलेंडर फटने से हुए विस्फोट में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। 'जियो न्यूज' की खबर के अनुसार, घटना रविवार को गुजरांवाला में हुई। प्राथमिक जांच में अधिकारियों को पता चला है कि वैन यात्रियों को लेकर रावलपिंडी से गुजरांवाला जा रही थी। वैन को एक मिनी ट्रक ने टक्कर मार दी थी, जिससे वैन में पीछे की ओर लगा सिलेंडर फट गया। हादसे में दस लोग मारे गए। खबर के अनुसार, हादसे में छह अन्य लोग घायल भी हुए हैं।

पाकिस्तान के क्वेटा शहर में बम धमाका, दो पुलिसकर्मियों की मौत, 12 लोग घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा में एक लग्जरी होटल के पास रविवार को पुलिस की वैन को निशाना बनाकर किए गए एक शक्तिशाली बम धमाके में कम से कम दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई जबकि आठ पुलिसकर्मियों समेत 12 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता लियाकत शाहवानी ने कहा, ''शुरुआती जांच से पता चला है कि बम को एक मोटरसाइकिल में लगाया गया था।'' शाहवानी के मुताबिक बम धमाके में दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गयी और आठ घायल हो गए। क्वेटा शहर में सेरेना होटल के पास तंजीम स्क्वायर पर खड़ी पुलिस की एक वैन को निशाना बनाकर यह विस्फोट किया गया। सुरक्षा एजेंसियों ने घटनास्थल की घेराबंदी करने के बाद दोषियों को पकड़ने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायलों को शहर के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

2021 में लैंडमाइन्स ने 44 यमनियों को मार डाला : आधिकारिक

सना। एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि 2021 की पहली छमाही में बारूदी सुरंगों और विस्फोटक उपकरणों के कारण हुए विस्फोटों में कुल 44 यमनी लोग मारे गए थे। अधिकारी ने समाचार एजेंसी को बताया कि इस साल जनवरी-जून की अवधि के दौरान 11 बच्चों सहित 44 लोगों की मौत हो गई और 57 अन्य घायल हो गए। उन्होंने संकेत दिया कि देश के लाल सागर बंदरगाह शहर होदेइदाह के दक्षिणी हिस्सों में स्थित तटीय क्षेत्रों में अधिकांश हताहत और नुकसान दर्ज किए गए थे। मानवीय संगठनों की पिछली रिपोटरें ने सुझाव दिया कि यमन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से दुनिया के सबसे बड़े बारूदी सुरंगों में से एक बन गया है। हौथी मिलिशिया ने इनमें से कई बारूदी सुरंगें रखी हैं, जो अक्सर अस्पतालों और स्कूलों वाले व्यस्त क्षेत्रों में होती हैं। यमनी सरकार का मानना है कि बारूदी सुरंगें इतनी व्यापक हैं कि उन सभी को हटाने में कई दशक लग सकते हैं। यमन 2014 के अंत से गृहयुद्ध में फंस गया था जब ईरान समर्थित हौथी मिलिशिया ने कई उत्तरी यमनी प्रांतों पर नियंत्रण कर लिया और राष्ट्रपति अब्द-रब्बू मंसूर हादी की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को राजधानी सना से बाहर कर दिया। सऊदी के नेतृत्व वाले अरब गठबंधन ने मार्च 2015 में हादी की सरकार का समर्थन करने के लिए यमनी संघर्ष में हस्तक्षेप किया था।

सऊदी विदेशियों से उमराह अनुरोध प्राप्त करना शुरू करेगा

रियाध। सरकार ने घोषणा की कि सोमवार से सऊदी अरब को विदेशी उपासकों से उमराह, मक्का की एक इस्लामी तीर्थयात्रा करने के लिए अनुरोध प्राप्त होने लगेंगे। समाचार एजेंसी ने घोषणा में हज और उमराह मंत्रालय के हवाले से कहा कि कोविड -19 महामारी पर चिंताओं के लिए, केवल वैकसीनेटिड और रिकवर लोगों को ही अनुमति प्रदान की जाएगी। हज और उमराह के उप मंत्री, अब्दुलफतह बिन सुलेमान मशत ने कहा कि अधिकारी उन देशों का निर्धारण करते हैं जहां से उमराह करने वाले आते हैं, और उनकी संख्या समय-समय पर निवारक उपायों के वर्गीकरण के अनुसार निर्धारित करते हैं। उन्होंने कलाकारों से मंत्रालय द्वारा निर्धारित संगठनात्मक योजनाओं और स्वास्थ्य प्रक्रियाओं का पालन करने का आह्वान किया। 1 नवंबर, 2020 को, सऊदी अरब ने पिछले साल की शुरूआत में महामारी के प्रकोप के बाद पहली बार उमराह करने के लिए कड़े एहतियाती उपायों के तहत विदेशी तीर्थयात्रियों को आने की अनुमति दी थी।

इराक में पावर ट्रांसमिशन टावर पर बमबारी

बगदाद। बिजली मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अज्ञात बदमाशों ने इराक के उत्तरी प्रांत नीनवे में एक बिजली पारेषण टॉवर पर बमबारी की। समाचार एजेंसी ने बयान के हवाले से कहा कि रविवार को हुए हमले ने प्रांतीय राजधानी मोसुल के पूर्व के इलाकों को मोसुल बांध से जोड़ने वाले टावर को तोड़ दिया और लगभग पूरी तरह से बिजली गुल हो गई। बयान में कहा गया है कि इराकी सुरक्षा बलों के साथ तकनीकी दल टावर की मरम्मत के लिए घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। साथ ही यह भी कहा गया कि ऐसा लगता है कि ट्रांसमिशन टावरों में विस्फोटों की श्रृंखला का उद्देश्य प्रांतों के बीच राष्ट्रीय बिजली ग्रिड को काटना, बिजली मंत्रालय की परियोजनाओं को रोकना और इसकी क्षमताओं को कम करना है। पिछले कुछ दिनों के दौरान, सलाहुद्दीन, किरकुक और नीनवे प्रांतों के साथ-साथ राजधानी बगदाद के उत्तर में अल-नेबाई और तरमियाह क्षेत्रों में कई बिजली पारेषण टावरों पर बमबारी की गई, जिसके कारण बड़े क्षेत्रों में बिजली गुल हो गई। 2003 में अमेरिका के नेतृत्व वाले आक्रमण के बाद से इराक में बिजली की एक पुरानी कमी देखी जा रही है, क्योंकि देश के बिजली संयंत्र कुल 19,000 मेगावाट का उत्पादन करते हैं, जो 30,000 मेगावाट से अधिक की वास्तविक मांग से बहुत कम है। इससे पहले, प्रधान मंत्री मुस्तफा अल-कदीमी ने हमलों पर चर्चा करने के लिए बैठकें की, और सेना को बिजली पारेषण लाइनों की सुरक्षा को मजबूत करने का निर्देश दिया।

ब्रिटिश हाईकोर्ट ने नीरव मोदी को प्रत्यर्पण मामले में अपील करने की अनुमति दी

लंदन। (एजेंसी)।

लंदन में उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश ने सोमवार को भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी को भारतीय अदालतों के समक्ष धोखाधड़ी और धनशोधन के आरोपों का सामना करने के लिए भारत को प्रत्यर्पण के पक्ष में एक मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश के खिलाफ मानसिक स्वास्थ्य और मानवाधिकारों के आधार पर अपील करने की सोमवार को अनुमति दे दी। न्यायाधीश मार्टिन चेम्बरलेन ने कहा कि 50 वर्षीय हीरा व्यापारी की कानूनी टीम द्वारा उनके ''गंभीर अवसाद'' और ''आत्महत्या के खतरे'' के संबंध में प्रस्तुत तर्क सुनवाई में बहस योग्य थे। उन्होंने कहा कि मुंबई में आर्थर रोड जेल में ''आत्महत्या के सफल प्रयासों'' को रोकने में सक्षम उपायों की पर्याप्तता, जहां नीरव मोदी को प्रत्यर्पण पर हिरासत में लिया जाना है, भी बहस के दायरे में आते हैं।

न्यायमूर्ति चेम्बरलेन ने अपने आदेश में कहा, ''इस स्तर पर, मेरे लिए सवाल बस इतना है कि क्या इन आधारों पर अपीलकर्ता का मामला उचित रूप से बहस योग्य है। मेरे फैसले में, यह है। मैं आधार तीन और चार पर अपील करने की अनुमति दूंगा।'' आधार तीन और चार मानव अधिकारों के यूरोपीय सम्मेलन (ईसीएचआर) के अनुच्छेद तीन या जीवन, स्वतंत्रता और सुरक्षा के अधिकार, और ब्रिटेन के आपराधिक न्याय अधिनियम 2003 की धारा 91 से संबंधित है, जो स्वास्थ्य से संबंधित है।

न्यायाधीश ने कहा, ''मैं उस आधार को प्रतिबंधित नहीं करूंगा जिस पर तर्क दिया जा सकता है, हालांकि मुझे ऐसा लगता है कि इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए कि क्या न्यायाधीश ने अपने निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए गलत किया था और उन्हें अपीलकर्ता (नीरव मोदी) के अवसाद की गंभीरता के सबूत दिये गये, आत्महत्या के जोखिम और आर्थर रोड जेल में आत्महत्या के सफल प्रयासों को रोकने में सक्षम किसी भी उपाय की पर्याप्तता के बारे में तर्क दिये गये।'' अन्य सभी आधारों पर अपील करने की अनुमति को अस्वीकार कर दिया गया था और मामला अब आधार तीन और चार के तहत लंदन में उच्च

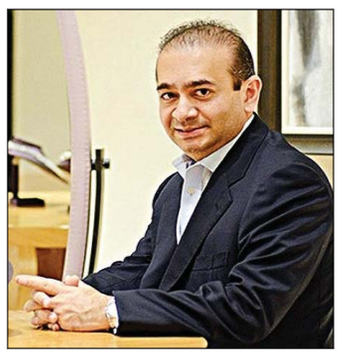

न्यायालय के समक्ष एक ठोस सुनवाई के लिए आगे बढ़ेगा। गौरतलब है कि नीरव मोदी के खिलाफ पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से जुड़े दो अरब डॉलर के घोटाले के मामले में धनशोधन और धोखाधड़ी के आरोप में भारत में मुकद्दमा चलाया जाना है।

यूरोपीय संघ ने लीबिया में बाल शिक्षा, सुरक्षा के लिए धन आवंटित किया

त्रिपोली (एजेंसी)।

यूरोपीय संघ (ईयू) ने लीबिया में बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा के साथ-साथ कोविड-19 टीकाकरण से संबंधित चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन के लिए 1.6 बिलियन डॉलर से अधिक का आवंटन किया है। यह जानकारी यूनिसेफ ने एक बयान में दी है। समाचार एजेंसी ने सोमवार को बयान का हवाला देते हुए कहा, ईयू नागरिक सुरक्षा और मानवीय सहायता - ईसीएचओ ने शिक्षा और बाल संरक्षण क्षेत्रों में मानवीय प्रतिक्रिया को मजबूत करने और कोविड -19 टीकाकरण से संबंधित चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन के लिए 1,672,874.91 डॉलर आवंटित किया है। यूनिसेफ के अनुसार, इस कार्यक्रम को क्षेत्र समन्वय को मजबूत करने और समर्पित संसाधनों के माध्यम से क्षेत्रीय क्षमता में निवेश के माध्यम से चलाया जाएगा। बयान में कहा गया है कि कुल 1,343,192 लोग, जिनमें से 122,000 5-9 वर्ष की आयु के बच्चे हैं, परियोजना से लाभान्वित होंगे। यूनीसिड ने पुष्टि की कि उन्होंने स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और पानी, स्वच्छता और स्वच्छता में बुनियादी सेवा प्रावधान के समर्थन पर ध्यान केंद्रित करते हुए 2012 से लीबिया में अपनी आपातकालीन तैयारियों और प्रतिक्रिया को बढ़ाया है। बयान में कहा गया है, बच्चों के लिए एक सुरक्षात्मक वातावरण बनाने और साक्ष्य निर्माण और साक्ष्य-आधारित नीति-निर्माण में राष्ट्रीय क्षमता में योगदान और निर्माण पर अतिरिक्त ध्यान दिया गया है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एनजीओ भागीदारों के सहयोग से, यूनिसेफ ने मानवीय प्रतिक्रिया योजना के अनुरूप सबसे कमजोर लोगों को प्रत्यक्ष मानवीय सहायता प्रदान की।

अल्पसंख्यक समुदाय के 4 मंदिरों में उपद्रवियों का हमला, 10 लोगों को किया गिरफ्तार

ढाका। (एजेंसी)।

बांग्लादेश के खुलना जिले में उपद्रवियों ने अल्पसंख्यक समुदाय के कम से कम चार मंदिरों, कुछ दुकानों और घरों पर हमला किया जिसके बाद पुलिस ने मामले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया और इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है। मीडिया में आई खबर में यह जानकारी दी गई। 'ढाका ट्रिब्यून' की खबर के अनुसार, घटना शनिवार को रूपशा उपजिला के शियाली गांव में हुई। शुक्रवार की रात को गांव के हिंदू और मुस्लिम निवासियों के बीच जबरदस्त विवाद हुआ था। स्थानीय निवासियों और पीड़ितों के अनुसा,र उपद्रवियों ने सबसे पहले शियाली महाश्मशान मंदिर पर हमला किया। उन्होंने श्मशान और मंदिर में मूर्तियों को क्षति पहुंचाई।

खबर के अनुसार, वहां से उपद्रवी शियाली पुरबापारा इलाके में गए, जहां उन्होंने हरि मंदिर, दुर्गा मंदिर और गोविंदा मंदिर में स्थापित मूर्तियों को क्षतिग्रस्त कर दिया। इसमें कहा गया है कि स्थानीय हिंदू समुदाय के लोगों की छह दुकानों और दो घरों में भी तोड़फोड़ की गई। रूपशा उपजिला पूजा उद्यापन परिषद के महासचिव कृष्ण गोपाल सेन ने कहा कि हमलों के दौरान चार मंदिरों में कम से कम 10 मूर्तियों को तोड़ा गया। सेन ने बताया, ÷क्षेत्र में अत्यधिक तनाव है। लेकिन स्थानीय प्रशासन स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए काम कर रहा है।''कुछ स्थानीय निवासियों ने दावा किया कि हमलावर पड़ोसी शेखपुरा, बामनडांगा और चाडपुर इलाकों से थे। लेकिन उनकी पहचान की पुष्टि नहीं हो सकी है। रूपशा पुलिस थाने के प्रभारी सरदार मुर्शरफ हुसैन ने बताया कि हमलों के बाद तनाव बढ़ने पर इलाके में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

पाकिस्तान की परियोजनाओं में काम कर रहे चीनी नागरिकों को पूर्ण सुरक्षा प्रदान करेगी इमरान सरकार

नई दिल्ली/काबुल (एजेंसी)।

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने रविवार को चीन को आश्वासन दिया कि वह 60 अरब डॉलर की चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजना सहित देश में विभिन्न परियोजनाओं में काम कर रहे चीनी नागरिकों को पूर्ण सुरक्षा प्रदान करेगा। इन परियोजनाओं में काम कर रहे चीनी श्रमिकों के खिलाफ हाल के हफ्तों में हिंसा बढ़ने पर पाकिस्तान का यह बयान आया है। 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार की खबर के अनुसार चीन के राजदूत नोंग रोंग ने रावलपिंडी में गृह मंत्री शेख राशिद से मुलाकात की और देश में चीनी नागरिकों को प्रदान की जाने वाली सुरक्षा पर चर्चा की। राशिद ने नोंग से कहा कि पाकिस्तान देश में विभिन्न परियोजनाओं में काम कर रहे चीनी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएगा। उन्होंने कहा कि सीपीईसी परियोजना ''किसी बाहरी साजिश का शिकार'' नहीं बनेगी। मंत्री ने कहा कि कोई भी ताकत पाकिस्तान और चीन के संबंधों में बाधा नहीं बन सकती।

अखबार के मुताबिक बैठक के दौरान, उन्होंने दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों सहित आपसी हित के मुद्दों पर भी चर्चा की। निर्माणाधीन दासू बांध के निर्माण स्थल पर चीनी इंजीनियरों और श्रमिकों को ले जा रही एक बस में 14 जुलाई को हुए विस्फोट

पर भी चर्चा हुई और दोनों पक्षों ने जल्द से जल्द इस घटना की जांच पूरी करने का फैसला किया। इस घटना में नौ चीनी नागरिकों सहित कम से कम 13 लोग मारे गए थे। ऊपरी कोहिस्तान जिले में विस्फोट के बाद बस गहरी खाई में गिर गई थी। विस्फोट के बाद, चीन ने पाकिस्तान से भ्रामक सूचना मिलने के बीच विशेषज्ञों की 15 सदस्यीय टीम को रवाना किया था। आरंभ में पाकिस्तान ने कहा कि यह गैस विस्फोट का मामला हो सकता है। बाद में पाकिस्तान ने स्वीकार किया कि यह एक बम विस्फोट था। एक अन्य घटना में, अज्ञात बंदूकधारियों ने पिछले महीने चीनी कारखाने के दो श्रमिकों को ले जा रहे एक वाहन पर गोली चलाई थी।

चीन के वुहान में फिर से फैला कोरोना वायरस, एक करोड़ से अधिक नमूनों की जांच की गई

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन के वुहान में कोरोना वायरस संक्रमण फिर से उभर रहा है, जिसके मद्देनजर एक करोड़ 20 लाख से अधिक आबादी वाले इस शहर में एक करोड़ 12 लाख 30 हजार नमूनों की जांच की गई है। स्थानीय अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। वुहान में ही 2019 में कोरोना वायरस संक्रमण का पहला मामला सामने आया था। वुहान में स्थानीय स्तर पर संक्रमण के छह और बिना लक्षण के 15 मामले सामने आए हैं। शुक्रवार तक हुबेई प्रांत की राजधानी वुहान में कोविड-19 के 47 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें स्थानीय स्तर पर सामने आए 31 मामले शामिल हैं। स्थानीय अधिकारियों ने कहा

कि वुहान ने न्यूक्लिक एसिड परीक्षण के लिए एक करोड़ 12 लाख 30 हजार से अधिक नमूने एकत्र किए।

सरकार द्वारा संचालित समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि चिकित्सा अवलोकन के दौरान बिना लक्षण वाले 64 मामले भी सामने आए। हुबेई प्रांत के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के उप निदेशक ली यांग ने शनिवार को मीडिया को बताया कि शहर ने 4 अगस्त को एक नया, सर्व-समावेशी परीक्षण अभियान शुरू किया था। एक करोड़ 80 लाख नमूनों के जांच परिणाम उपलब्ध हैं। स्वास्थ्य कर्मचारी अभी भी जांच कर रहे हैं। इससे पहले दिसंबर 2019 में शहर में संक्रमण के मामलों मे वृद्धि पर काबू पा लिया गया था। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने शनिवार को कहा कि शुक्रवार को कोविड-19 के 139 नए मामले सामने आए। आयोग ने कहा कि चीन में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों की संख्या शुक्रवार को बढ़कर 93,605 हो गई है। 1,444 रोगियों का इलाज चल रहा है, जिनमें से 39 की स्थिति गंभीर है। 4,636 रोगियों की मौत हो चुकी है।

ऑस्ट्रेलियाई पीएम को समर्थन 18 महीने के निचले स्तर पर पहुंचा

कैनबरा (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन की अनुमोदन रेटिंग सोमवार को प्रकाशित एक नए सर्वेक्षण के अनुसार, मार्च 2020 के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, न्यूजपोल के सर्वेक्षण में कहा गया है कि मॉरिसन की व्यक्तिगत अनुमोदन रेटिंग पहली बार निगेटिव क्षेत्र में आ गई है, क्योंकि कोरोनोवायरस ने ऑस्ट्रेलिया को बुरी तरह से प्रभावित किया है। जनमत सर्वेक्षण में पाया गया कि महामारी से निपटने में मॉरिसन के प्रदर्शन से संतुष्ट मतदाताओं का अनुपात जुलाई के मध्य में 52 प्रतिशत से घटकर अप्रैल 2020 में रिकॉर्ड-उच्च 85 प्रतिशत की तुलना में 48 प्रतिशत हो गया। अप्रैल 2020 के बाद पहली बार, कोविड -19 के प्रसार को रोकने के लिए पूरे ऑस्ट्रेलिया में प्रतिबंध लगाए जाने के बाद, ज्यादा मतदाता मॉरिसन से संतुष्ट होने से असंतुष्ट थे, जिससे उन्हें निगेटिव दो की शुद्ध रेटिंग मिली। ऑस्ट्रेलिया के अशांत वैक्सीन रोलआउट पर बढ़ती निराशा के बीच यह सर्वेक्षण किया गया था। न्यू साउथ वेल्स, विक्टोरिया और क्वींसलैंड में ऑस्ट्रेलिया की लगभग आधी आबादी ने डेल्टा वेरिएंट के प्रसार को रोकने के लिए अगस्त में अब तक लॉकडाउन का अनुभव किया है। पिछले महीने के अंत में मरने वालों की संख्या 923 से बढ़कर रविवार को 936 हो गई। 12 महीनों में देश में संक्रमण की सबसे बड़ी लहर के बीच, न्यूजपोल ने पाया कि वैक्सीन रोलआउट के मॉरिसन के प्रबंधन के लिए समर्थन जुलाई के मध्य से 38 प्रतिशत तक और दो अंक गिर गया। मॉरिसन के साथ बढ़ते असंतोष ने गठबंधन पार्टी को आम चुनाव में सरकार में लगातार चौथी बार जीतने के लिए एक कठिन लड़ाई का सामना करना पड़ा है।

अफगानिस्तान में तालिबानी विद्रोहियों का कहर जारी, एक और प्रांत की राजधानी पर किया कब्जा

लंदन। (एजेंसी)।

काबुल।अफगानिस्तान में तालिबान ने सोमवार को एक और प्रांत की राजधानी पर कब्जा कर लिया है। अमेरिका और नाटो सैनिकों की वापसी के बीच बागियों के हमले जारी हैं। हाल के हफ्तों में समूचे अफगानिस्तान में उग्रवादियों ने बढ़त हासिल की है और जिलों तथा बड़े ग्रामीण हिस्से पर नियंत्रण करने के बाद प्रांतीय राजधानियों की ओर अपना रूख किया है। वहीं वे देश की राजधानी काबुल में वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों को भी निशाना बना रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा और संयुक्त राष्ट्र की इस चेतावनी के बावजूद हमले हो रहे हैं कि सैन्य तौर पर जीत और सत्ता पर काबिज़ होने पर मान्यता नहीं दी जाएगी। तालिबान ने अफगान सरकार के साथ बातचीत की मेज़ पर लौटने की अपीलों को अनसुना कर दिया है। उत्तरी सर-ए-पुल प्रांत की परिषद के प्रमुख मोहम्मद नूर रहमानी ने कहा कि तालिबान ने प्रांतीय राजधानी पर कब्जा कर लिया है। उनके मुताबिक, अफगान सुरक्षा बलों ने एक हफ्ते तक शहर को तालिबान के कब्जे में जाने से बचाने की कोशिश की लेकिन सर-ए-पुल शहर पर तालिबान का नियंत्रण हो ही गया। उन्होंने कहा कि प्रांत से सरकारी बल पूरी तरह से पीछे हट गए हैं।

रहमानी ने यह भी बताया कि सरकार समर्थक स्थानीय मिलिशिया के कई लड़ाकों ने बागियों के आगे बिना लड़े हथियार डाल दिए हैं जिससे उन्होंने पूरे सूबे पर कब्जा कर लिया है। तालिबान ने सर-ए-पुल के साथ ही पश्चिमी निमरोज़ प्रांत की राजधानी ज़रंज, उत्तरी जौज़जान प्रांत की राजधानी शेबरगान और अन्य उत्तरी सूबे तालकान की राजधानीजो इसी नाम से है, पर कब्ज़ा कर लिया है। तालिबान उत्तरी कुंदुज प्रांत की राजधानी कुंदुज शहर पर नियंत्रण के लिए भी लड़ कर रहा है। रविवार को उन्होंने अपना झंडा शहर के मुख्य चौराहे पर लगा दिया। कुंदुज पर कब्जा तालिबान के लिए एक अहम बढ़त होगी और पश्चिम देशों के समर्थन वाली सरकार के खिलाफ अभियान के तहत क्षेत्र लेने और उसपर कब्जा बरकरार रखने की उसकी क्षमता की आज़माइश होगी। यह देश के बड़े शहरों में शुमार है जिसकी आबादी करीब 3.40 लाख है। सर-ए-पुल की प्रांतीय परिषद के प्रमुख रहमानी ने बताया कि सूबे की राजधानी कई हफ्ते से तालिबान की घेराबंदी में है और अतिरिक्त सैन्य सहायता भेजी नहीं जा सकी। सोमवार को सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में दिख रहा है कि तालिबान के लड़ाके सर-ए-पुल के गवर्नर के दफ्तर के सामने हैं और जीत पर एक-दूसरे को बधाई दे रहे हैं।

अफगानिस्तान से अमेरिका और नाटो की फौजों के वापस जाने के बीच तालिबान ने लड़ाई तेज कर दी है जबकि अफगान सुरक्षा बलों और सरकारी सैनिकों ने जवाबी हमले किए हैं और अमेरिका की मदद से हवाई हमले किए हैं। लड़ाई में आम नागरिकों के हताहतो होने को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। विद्रोहियों ने दक्षिणी हेलमंद प्रांत की राजधानी लश्कर गाह को भी अपने कब्जे में ले लिया है, जहां उन्होंने पिछले सप्ताह शहर के 10 पुलिस जिलों में से नौ पर कब्जा कर लिया था। वहां भारी लड़ाई जारी है और अमेरिका तथा अफगान सरकार ने हवाई हमले किए हैं जिसमें एक स्वास्थ्य क्लीनिक और एक हाई स्कूल क्षतिग्रस्त हो गया है। रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की है कि लश्करगाह शहर पर हवाई हमले किए गए हैं। उसने कहा कि बलों ने तालिबान के ठिकानों को निशाना बनाया है जिनमें 54 लड़ाके मारे गए हैं और 23 अन्य जख्मी हुए हैं। इसमें क्लीनिक और स्कूल पर बमबारी करने का कोई जिक्र नहीं है। शनिवार को तालिबान के लड़ाके जौज़जान प्रांत की राजधानी में घुस गए थे और प्रांत के 10 में से नौ जिलों पर कब्जा कर लिया है।

ईरान के पूर्व राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार चुने गए तेहरान मेयर

तेहरान (एजेंसी)।

ईरान के पूर्व राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार अलीरेजा जकानी तेहरान के मेयर रह चुके हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जकानी, जिन्होंने मौजूदा राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी के पक्ष में अपनी उम्मीदवारी छोड़ दी थी, रविवार को तेहरान की नगर परिषद की बैठक में 21 में से 18 मतों के साथ चुने गए। अर्ध-आधिकारिक ईरानी श्रम समाचार एजेंसी के अनुसार, तेहरान के लिए अपनी परियोजनाओं के हिस्से के रूप में, नव-निर्वाचित मेयर ने नशीली दवाओं के व्यसनों, भिखारियों और बाल श्रम से संबंधित समस्याओं को हल करने के उद्देश्य से एक सामाजिक मुख्यालय के निर्माण की ओर इशारा किया। जकानी ने कहा कि तेहरान के दक्षिण-पूर्व में प्रमुख राजमार्गों को जोड़ने वाली एक नई सुरंग बनाने के लिए अध्ययन किया जा रहा है। साथ ही पूर्वी से पश्चिमी बाहरी इलाके में ईरान की राजधानी को पार करने वाली हल्की रेल ट्रांजिट इंफ्रास्ट्रक्चर किया जा रहा है । शनिवार को, तेहरान की नगर परिषद ने पूर्व उप महापौर अलीरेजा जाविद को कार्यवाहक महापौर के रूप में कार्य करने के लिए चुना, जब तक कि जकानी की नियुक्ति की पुष्टि आंतरिक मंत्रालय द्वारा नहीं की जाती। जकानी ने पिरौज हनाची की जगह ली, जिन्होंने नवंबर 2018 में पद ग्रहण किया था। 6वां नगर परिषद चुनाव 18 जून, 2021 को राष्ट्रपति चुनाव के साथ-साथ आयोजित किया गया था। 55 वर्षीय जकानी 2020 की शुरूआत से ईरानी संसद के सदस्य के रूप में कोम शहर का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उन्होंने लगभग एक साल तक संसद के अनुसंधान केंद्र का भी नेतृत्व किया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पिता ने सूरत डीईओ कार्यालय पर किया विरोध
फीस के मुद्दे पर विद्याभारती स्कूल के प्रशासकों ने छात्र को पढ़ाई से दूर रखा

क्रांति समय दैनिक

सूरत के ट्रस्ट संचालित विद्याभारती स्कूल में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है कि स्कूल संचालक छात्र को पढ़ाई से दूर रखकर फीस के मुद्दे पर माता-पिता को धमकी दे रहे हैं. इतना ही नहीं पिछले 5 वर्षों में 30 से अधिक बार स्कुल के खिलाफ माता-पिता ने न्याय के लिए डीईओ कार्यालय, एफआरसी, कलेक्टर, चाइल्ड लाइन, जिला बाल विकास अधिकारी और पुलिस थाने में लड़ाई लड़ने का फैसला किया है.

अभिभावक का आरोप है कि स्कूल संचालक उस छात्र के नाम पर दूसरों को पढ़ा रहे हैं जिसे कक्षा-9 में रोल नंबर देकर छात्रों के वाट्सएप ग्रुप से हटा दिया गया था. साल 2016 में एक छोटी सी बात को लेकर शुरू हुए झगड़े को लेकर अभिभावक ने कहा कि ट्रस्ट में बकाया राशि काटकर स्कूल की फीस भरने से सारा विवाद शुरू हो गया है.

दसवीं कक्षा की छात्रा मानसिक रूप से प्रताड़ित थी और बदले की भावना से माता-पिता के साथ चल रही थी.

मनोज सांगला (अभिभावक) ने कहा, "मेरे बेटे का परिणाम तीन साल के लिए रोक दिया गया था और मुझे डीईओ, एफआरसी, पुलिस और कलेक्टर के पास अपना आवेदन वापस लेने के लिए मजबूर किया गया था।" वर्ष 2017 से 2021 के लिए सभी शुल्क उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि मैंने लिखित में डीईओ को मामले की सूचना दी और कहा कि यदि मेरे प्रश्न का समाधान हो जाता है तो मैं एक बार में ही नियमानुसार सभी शुल्क का भुगतान करने के लिए बाध्य हूं। हैरानी की बात यह है कि कोविड-19 की अवधि के दौरान यानी 2020-21 में मेरे माय बेटा कक्षा-9 आया, तबादला शुल्क मांगा, 350 रुपये दिए, कक्षा-9/डी में प्रवेश लिया और रोल नंबर 19 दिया, फिर परेशान करने के इरादे से उसने व्हाट्सएप स्टडी से हटा दिया और मेरे बेटे की पढ़ाई शुरू कर दी किसी अन्य डीईओ कार्यालय में नाम। साक्ष्य प्रदान किए जाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

अगर मैं सिर्फ पूछने जाता हूं, प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य से मिलता हूं, अगर मैं वहां जाता हूं, तो मुझे माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक से मिलने के लिए कहा जाता है,

सूरत तक्षशिला त्रासदी के लिए जिम्मेदार सरकारी अधिकारियों के खिलाफ
गैर इरादतन हत्या का अपराध दर्ज करने के लिए पुलिस आयुक्तको आवेदन दिया

क्रांति समय दैनिक

सूरत में सरथाना जकातनाका के पास तक्षशिला आर्केड में आग लगने से 22 निर्दोष लोगों की मौत हो गई। त्रासदी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और बिल्डर सहित वर्ग प्रशासक को गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि बाद में नगर पालिका और जीईबी के अधिकारियों को जमानत दे दी गई। इसलिए मृतक के अभिभावकों ने आज आवेदन पत्र पुलिस आयुक्त को सौंपा। मृतक के अभिभावकों ने भी गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

फाईल फोटो

आवेदन पुलिस आयुक्त को प्रस्तुत कहा। इसलिए जीईबी (डीजीवीसीएल), सूरत मनपा विकास अग्निशमन विभाग अधिकारी, आकलन विभाग अधिकारी के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है, उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया है। इसलिए कुछ अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। ताकि सभी पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर मुकदमा चलाने का परिचय दिया जा सके।

जयसुख गजेरा ने कहा कि मामला अदालत में तय किया गया है । कोर्ट में केस किया गया है। लेकिन भारी लापरवाही के कारण इतनी बड़ी संख्या में हताहत होने के बावजूद जांच अधिकारी द्वारा केवल मामूली कर्मचारियों पर मुकदमा चलाया गया है। ऐसा लगता है कि बड़े अधिकारियों को नियमित रूप से परेशान किया गया है। जिसको लेकर 22 अभिभावकों ने कोर्ट में 173 (8) के लिए सूरत पुलिस कमिश्नर के पास आवेदन कर सभी जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई पेश की है.

सूरत के पांडेसरा में सगीरा से छेड़छाड़ का आरोपित पुलिस को कोर्ट में धक्का देकर फरार

क्रांति समय दैनिक

पोस्को मामले के एक आरोपी ने सूरत के पांडेसरा थाने के बाहर से पुलिस को धक्का दिया और पुलिस भाग गई. मानसिक रूप से बीमार किशोरी के अपहरण के बाद बलात्कार के एक मामले में पुलिस ने रामचंद्र उर्फ राम कालू चरण को आठ अगस्त को गिरफ्तार किया था. चार में से तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। जब रामचंद्र को पकड़कर कोर्ट में पेश किया गया तो आरोपी पुलिस कर्मियों को थाने के बाहर धक्का देकर फरार हो गए. इसलिए पुलिस ने आगे की जांच की है।

घटना 19 जून, 2021 को हुई

थी, के अनुसार करने के लिए पुलिस सूत्रों। आरोपित रामचंद्र उर्फ राम कालू चरण ने मासूम बच्चे की मदद से मासूम बेटी को कमरे में बुलाकर वारदात को अंजाम दिया। हालांकि, वासना की शिकार रामचंद्र की बेटी द्वारा घरवालों को सारी बात बताए जाने के बाद पांडेसरा पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. जिसमें आरोपितों को धरना देकर आगे की कार्रवाई की गई।

पुलिस आरोपी रामचंद्र सहित एक किशोर बच्चे को हिरासत में लेने के बाद दोनों को मेडिकल परीक्षण के लिए सिविल भी ले गई, जिसका सिविल में मेडिकल परीक्षण हुआ था । इतना ही नहीं कानूनी कार्यवाही के दौरान आरोपी रामचंद्र को आज कोर्ट में पेश करने के लिए पुलिस कोर्ट में पेश करने की तैयारी कर रहा था. इसी बीच आरोपी रामचंद्र ने पुलिस को थाने के बाहर से धक्का मार दिया और फरार हो गया. फिलहाल इसकी तलाश

सार-समाचार

श्यामाप्रसाद मुखर्जी सभागृह में सुरत मनपा के वेक्सीन सेन्टर पर दलालों और चोरों का कब्जा ?

नीरज नाम के लोगों के लिए अनोखी ऑफर, 20 अगस्त तक गिरनार रोप वे में मुफ्त यात्रा

जूनागढ़ के गिरनार रोपवे संचालक उषा ब्रेको कंपनी ने अनोखी ऑफर का ऐलान किया है। कंपनी के ऑफर के मुताबिक के ऑफर के मुताबिक जूनागढ़ के गिरनार रोप वे 20 अगस्त तक नीरज नाम का कोई भी व्यक्तिमुफ्त यात्रा कर सकेगा। टोक्यो ऑलंपिक में नीरज चोपडा के भाला फैंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने पर कंपनी ने यह ऐलान किया है। 20 अगस्त तक नीरज कोई भी व्यक्तिगिरनार रोपवे में मुफ्त यात्रा सकेगी। गौरतलब है कि टोक्यो ऑलंपिक में भाला फैंक स्पर्धा में नीरज ने शनिवार को दूसरे प्रयास में 87.58 मीटर भाला थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता है। पहली किसी भारतीय एथ्लिट ने ऑलंपिक के ट्रेक एन्ड फिल्म इवेन्ट में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है। नीरज समेत ऑलंपिक में पदक जीतने वाले सभी खिलाडियों का स्वदेश लौटने पर दिल्ली में भव्य स्वागत किया गया।

पड़ोसी ने किया मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म

जीआईडीसी के तलंगपुर रोड पर एक बस्ती में अपने घर खेलने के लिए आई आठ साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म किया था। हालांकि घटना के वक्त पीड़िता का 6 साल का भाई भी वहीं खेल रहा था।

सचिन जीआईडीसी पुलिस के मुताबिक, मध्य प्रदेश का एक मजदूर वर्ग का परिवार तलंगपुर में एक झोंपड़ी में रहता है. दंपति के अलावा, कामकाजी परिवार में एक 8 साल की बेटी रितु (बदला हुआ नाम) और एक 6 साल का बेटा है। रविवार की सुबह रितु के पिता काम पर गए और जब उसकी मां घर पर काम कर रही थी तो वह अपना फोन लेकर उपेंद्र के कमरे में खेलने चली गई। उस समय उसका भाई भी उसके साथ था। उपेंद्र कमरे में था जबकि रितु पेंड़ा के कमरे में फोन देख रही थी। उस वक्त उपेंद्र ने रितु के साथ रेप किया था। घटना के बाद रितु घर गई तो उसने देखा कि उसकी मां के शरीर से खून बह रहा है। वह रितु से पूछकर घबरा गई। तुरंत रितु ने अपनी मां को कुछ नहीं बताया लेकिन थोड़ी देर बाद उसने कहा कि चाचा उपेंद्र ने उसके साथ ऐसा किया है। इसके बाद रितु की मां ने उसके खून से सने कपड़े धोए। शाम को जब रितु के पिता घर आए तो उन्होंने अपने आसपास के लोगों को घटना के बारे में बताया। लेकिन किसी ने इसकी सूचना पुलिस को नहीं दी। बीती देर रात रितु के पिता ने आरोपी उपेंद्र साहनी के खिलाफ सचिन जीआईडीसी थाने में शिकायत दर्ज कराई है। रितु अपने दादा-दादी के गृहनगर में रहती थी। अभी एक महीने पहले ही वह अपने गृहनगर से सूरत में अपने माता-पिता के घर आई थी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

केन्द्र का बयान, राज्यों और निजी अस्पतालों के पास टीके की 2.33 करोड़ से अधिक खुराक मौजूद

नयी दिल्ली। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेशों और निजी अस्पतालों के पास अभी 2.33 करोड़ से अधिक कोविड-19 रोधी टीकों की खुराक मौजूद है। मंत्रालय ने बताया कि 52.40 करोड़ से अधिक खुराके सभी माध्यमों से राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को दी गई है और 8,39,780 खुराकें अभी और दी जाएगी। इनमे से कुल 50,51,29,252 खुराकों का इस्तेमाल हुआ है, जिनमें बर्बाद हुई खुराक भी शामिल हैं। कोविड-19 रोधी टीकों की 2.33 करोड़ से अधिक खुराक अभी राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेशों और निजी अस्पतालों के पास मौजूद हैं। मंत्रालय के अनुसार, केन्द्र सरकार देश भर में कोविड-19 टीकाकरण का विस्तार करने और उसकी गति बढ़ाने को प्रतिबद्ध है।

किसान इस देश की आत्मा हैं! अखबारों में विज्ञापन देकर किसानों की बदहाली नहीं छिपा सकती योगी सरकार- प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात में एक किसान की कथित खुदकुशी के मामले को लेकर सोमवार को राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह अखबारों में पूरे पेज का विज्ञापन देकर किसानों की बदहाली नहीं छिपा सकती। उन्होंने कानपुर देहात में किसान की कथित खुदकुशी की खबर साझा करते हुए ट्वीट किया, ''किसान इस देश की आत्मा हैं। उप्र सरकार फुल पेज विज्ञापन देकर किसानों की बदहाली छिपा नहीं सकती।

मायावती ने कहा, संविधान संशोधन बिल का बसपा समर्थन करती है लेकिन केन्द्र केवल खानापूर्ति न करे

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को कहा कि संसद में आज पेश संविधान संशोधन बिल का बसपा समर्थन करती है, किन्तु केन्द्र केवल खानापूर्ति न करे बल्कि सरकारी नौकरियों में ओबीसी के वर्षों से खाली पदों को भरने का ठोस काम भी करे। उन्होंने ट्वीट किया, ओबीसी वर्ग बहुजन समाज का अभिन्न अंग है, जिसके हित एवं कल्याण के लिए बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर ने संविधान में धारा 340 की व्यवस्था की एवं उसपर सही से अमल नहीं होने पर देश के प्रथम कानून मंत्री पद से इस्तीफा भी दे दिया था। बसपा भी इन वर्गों के लिए जी-जान से समर्पित। उन्होंने लिखा, इसी सोच के तहत राज्य सरकारों द्वारा ओबीसी की पहचान करने एवं इनकी सूची बनाने सम्बन्धी संसद में आज पेश संविधान संशोधन बिल का बसपा समर्थन करती है, किन्तु केन्द्र केवल खानापूर्ति न करे बल्कि सरकारी नौकरियों में ओबीसी के वर्षों से खाली पदों को भरने का ठोस काम भी करे।

नीतीश ने फिर की जाति आधारित जनगणना की मांग, कहा- अभी तक पीएम से नहीं मिला कोई जवाब

पटना। बिहार में जाति आधारित जनगणना की मांग को लेकर राजनीति तेज हो गई है। खास बात यह है कि बिहार में भाजपा की सहयोगी जदयू और उसके नेता लगातार जाति आधारित जनगणना की मांग कर रहे हैं। जदयू के वरिष्ठ नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर से जाति आधारित जनगणना की मांग कर दी है। दरअसल, जनता दरबार कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि अब तक हमें प्रधानमंत्री को लिखे गए पत्र का कोई जवाब नहीं मिला है। हम जाति आधारित जनगणना चाहते हैं और यह हमारी पुरानी मांग है। जाति आधारित जनगणना सभी जातियों को उनकी सटीक संख्या प्राप्त करने और उसके अनुसार नीतियां बनाने में मदद करेगी। यह देश के हित में है।

विकास की कार्ययोजना पर ब्लाक प्रमुखों को योगी का पत्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्रामीण क्षेत्रों पर पार्टी के फोकस को मजबूत करते हुए ब्लॉक प्रमुखों (क्षेत्र पंचायत प्रमुखों) को पत्र लिखकर ब्लॉक स्तर पर विकास में तेजी लाने के लिए एक विस्तृत कार्य योजना तैयार करने को कहा है।

सभी 825 नवनिर्वाचित ब्लॉक प्रमुखों को भेजे गए पत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 2500 करोड़ रुपये का फंड जारी करेगी, जिसका उपयोग क्षेत्र पंचायतों के विकास के लिए किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि ब्लॉकों के लिए निर्धारित धनराशि का 50 प्रतिशत ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन पर उपयोग करने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य सरकार को उम्मीद है कि ब्लॉक स्तर की सरकार वित्तीय और मानव संसाधनों का उपयोग करेगी। उन्होंने इस तथ्य को भी रेखांकित किया कि क्षेत्र पंचायती राज व्यवस्था की एक प्रमुख इकाई है और इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को गति देने में ब्लॉक प्रमुख की जिम्मेदारी कई गुना है। इस घटनाक्रम का राजनीतिक महत्व भी काफी बढ़ गया है, जबकि सत्ताधारी भाजपा अगले साल होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों से पहले अपने ग्रामीण पदचिह्नें को मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

शनिवार को, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नव निर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्षों और ब्लॉक प्रमुखों को सम्मानित किया था। इस कार्यक्रम को ग्रामीण मतदाताओं पर ध्यान केंद्रित करने के कदम के रूप में देखा गया था।

भाजपा नेता का बड़ा बयान, केंद्र सरकार नए कृषि कानूनों को ले सकता है वापस

बलिया (उप्र)। (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य व पूर्व विधायक राम इकबाल सिंह ने तीन नए कृषि कानूनों के विरोध में किसानों के चल रहे आंदोलन का समर्थन किया और कहा कि राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए भाजपा नीत केन्द्र सरकार इन कानूनों को वापस ले सकती है। पूर्व विधायक सिंह ने रविवार रात जिले के नगरा में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा,'' किसानों की मांगे सही हैं। विधानसभा चुनाव और किसानों में रोष को देखते हुए केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार इन कानूनों को वापस ले सकती है।'' उन्होंने कहा कि कृषि कानूनों के विरोध में प्रदर्शनों के चलते भाजपा के नेता पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गांवों में नहीं जा पा रहे हैं और आने वाले समय में किसान भाजपा के जन प्रतिनिधियों का घेराव भी कर सकते हैं।

उन्होंने इजराइल के जासूसी सॉफ्टवेयर पेगासस से कथित तौर पर जासूसी कराने जाने को लेकर संसद में चल रहे गतिरोध को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया और कहा कि लोकतांत्रिक देश में विपक्ष की मांग पर विचार होना चाहिए। उन्होंने कहा,'' यदि विपक्ष चाहता है कि जासूसी कांड की जांच हो तो सरकार को इसकी जांच करानी चाहिए। यह सरकार की जिम्मेदारी है कि संसद का सत्र सुचारू रूप से चले।'' सिंह ने कोविड की संभावित तीसरी लहर से निपटने के लिए राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार द्वारा की गई तैयारियों पर भी सवालउठाये।उन्होंने कहा कि सरकार ने दूसरी लहर से सबक नहीं लिया और मामलों से आगे निपटने के लिए कोई प्रभावी प्रबंध नहीं किए हैं।

जमात ए इस्लामी के विरुद्ध एनआईए की छापेमारी पर महबूबा मुफ्ती ने की केंद्र की आलोचना

श्रीनगर। (एजेंसी)।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को कहा कि जम्मू कश्मीर में जमात ए इस्लामी के विरुद्ध राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा छापेमारी करवा कर केंद्र ने 'अपने ही पाले में गोल कर लिया है।' मुफ्ती ने कहा कि एक विधारधारा का मुकाबला किसी बेहतर विचार से करने की बजाय सरकार अपने विरोधियों का कठोरता से दमन कर रही है। मुफ्ती ने ट्वीट किया, ÷जमात पर एनआईए की छापेमारी, भारत सरकार द्वारा कथित 'अभिन्न अंग' के विरुद्ध छेड़ा गया प्रतीकात्मक युद्ध है।

एक विचारधारा का मुकाबला किसी बेहतर विचार से करने की बजाय वह विरोधियों का कठोरता से दमन कर रही है।' उन्होंने कहा कि इस प्रकार के दमनकारी कदम अस्थायी रूप से चल सकते हैं लेकिन लम्बे समय में इनका उलटा असर होगा। उन्होंने कहा, 'जम्मू कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों के बीच खाई हर दिन गहरी हो रही है। यह अपने पाले में गोल करने जैसा है।' एनआईए ने जम्मू कश्मीर में रविवार को जमात ए इस्लामी से जुड़े सदस्यों के विरुद्ध कई ठिकानों पर छापेमारी की थी। यह छापेमारी आतंक के वित्त पोषण संबंधी मामले के सिलसिले में थी।

भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने वाले दिग्गजों को प्रधानमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्लीमुंबई। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को उपनिवेशवाद के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाने वाले भारत छोड़ो आंदोलन में हिस्सा लेने वाले सभी महान लोगों को श्रद्धांजलि दी।

आंदोलन की 79वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक ट्वीट में, पीएम ने कहा, भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने वाले महान लोगों को श्रद्धांजलि, जिन्होंने उपनिवेशवाद के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महात्मा गांधी से प्रेरित, भारत छोड़ो आंदोलन की भावना पूरे भारत में गूंज उठी और हमारे देश के युवाओं में जोश भर गया। रविवार को उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर देश को बधाई दी। उन्होंने कहा था, मैं भारत छोड़ो आंदोलन दिवस की वर्षगांठ पर अपने सभी नागरिकों को अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। इस आंदोलन की शुरुआत गांधीजी ने अपने शक्तिशाली नारे करो या मरो के साथ देशवासियों को प्रोत्साहित करने के साथ की, जिसने हमारे स्वतंत्रता आंदोलन में एक नई ऊर्जा का संचार किया और अंततः 1947 में अंग्रेजों को भारत छोड़ने के लिए मजबूर किया।

केंद्र और प्रदेश सरकार 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य से काम कर रही है : कश्यप

शिमला (एजेंसी)।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सुरेश कश्यप ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना के तहत वित्तीय लाभ की 9वी किश्त जारी की। इसके माध्यम से 9.75 करोड़ से अधिक लाभार्थी किसान परिवारों को 19,509 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि का हस्तांतरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री किसान लाभार्थियों से वार्तालाप भी की जिससे किसानों का मनोबल भी बड़ा । उन्होंने किसान सम्मान निधि की 9वी किश्त के लिए प्रदानमंत्री का किया धन्यवाद किया। जब किसान समृद्ध होगा तो देश खुशहाल होगा और इस संकल्प को लेकर हमारी केंद्र सरकार सकारात्मक कार्य कर रही है। इस योजना के अंतर्गत, अब तक 1.38 लाख करोड़ रुपये से अधिक की सम्मान राशि किसान परिवारों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में इस योजना के 952511 लाभार्थियों को रु 1,905,022 का लाभ हुआ है । प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि छोटे और सीमांत किसानों के लिए एक वरदान साबित हुआ है । किसानों को हमेशा अपने खर्चों का प्रबंधन करना पड़ता है , क्योंकि कृषि प्रकृति की अनिश्चितताओं पर निर्भर है इस योजना के अंतर्गत किसानों को उनके खातों में तीन किस्तों में 2000 रुपये , कुल 6000 रुपये प्रतिवर्ष मिल रहे हैं जिससे किसानों को बड़ा लाभ होता है। पीएम-किसान योजना का उद्देश्य उचित फसल स्वास्थ्य और उचित पैदावार सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न खेती योग्य भूमिधारक किसान परिवारों की प्रत्याशित कृषि आय के साथ-साथ घरेलू जरूरतों के लिए वित्तीय जरूरतों को पूरा करना है। पीएम-किसान योजना के तहत केंद्र सरकार द्वारा प्रत्यक्ष लाभ

हस्तांतरण मोड के द्वारा पात्र किसानों के बैंक खातों में सीधे रू 6,000 प्रति वर्ष की राशि जारी की जाती है। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य से काम कर रही है और जिस प्रकार की कल्याणकारी योजनाएं किसानों के लिए बनी है उससे यह निश्चित है कि 2022 का यह लक्ष्य पूरा होगा।

बंगाल के बाद अब त्रिपुरा में बीजेपी बनाम टीएमसी, तैयारी में जुटीं ममता बनर्जी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद एक बार फिर से भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच की सियासी लड़ाई सामने आ सकती है। पश्चिम बंगाल में जीत से गदगद तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी अब त्रिपुरा में भाजपा को चुनौती देने की तैयारी में हैं। पश्चिम बंगाल में भाजपा के विजय रथ रोकने के बाद तृणमूल कांग्रेस त्रिपुरा में भगवा पार्टी को चुनौती देगी। एक ओर जहां ममता बनर्जी अपने दिल्ली दौरे के दौरान विपक्षी नेताओं को एकजुट करने की कोशिश कर रही थीं तो वहीं दूसरी ओर उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी त्रिपुरा में लगातार डटे हुए हैं। अभिषेक बनर्जी त्रिपुरा में भाजपा के खिलाफ मोर्चाबंदी कर रहे हैं और चुनावी तैयारियों को लेकर लगातार बैठक कर रहे हैं।

त्रिपुरा में 2023 में विधानसभा के चुनाव होने हैं। भाजपा त्रिपुरा में वानदलों के किले को ढाहकर सत्ता में आई थी। माना जा रहा है कि त्रिपुरा में वामदल बहुत कमजोर हो गए हैं। ऐसे में तृणमूल कांग्रेस वहां उभरने की कोशिश कर रही है। अगर तृणमूल कांग्रेस त्रिपुरा में भाजपा को चुनौती देने में सक्षम हो गई तो पश्चिम बंगाल के बाद एक बार फिर से भाजपा और तृणमूल के बीच कड़ी टक्कर दिखाई दे सकती है। बीजेपी को सीधी टक्कर देने के लिए तृणमूल कांग्रेस ने राज्य में अपनी सक्रियता को बढ़ा दी है। टीएमसी के बड़े नेता भी लगातार त्रिपुरा का दौरा कर रहे हैं।

चुनावी संभावनाओं को टटोलने के लिए ममता बनर्जी ने अपने चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर और उनकी टीम को भी काम पर लगा दिया है। सूत्र यह भी बता रहे हैं कि त्रिपुरा में कांग्रेस व तृणमूल कांग्रेस एक साथ मिलकर भाजपा को पटखनी देने की तैयारी में है। तृणमूल का दावा है कि बीजेपी सरकार के खिलाफ राज्य में नाराजगी है। हाल में ही अभिषेक बनर्जी ने प्रद्योत देबवर्मा और उनके दल अद्धक्क्र के साथ भी हाथ मिला सकती है।

मेरठ में नकली शराब पर लगाम लगाने की तैयारी में आबकारी विभाग

मेरठ। (एजेंसी)।

शराब के शौकीनों के लिए जरूरी खबर है कि जल्द ही देसी शराब के पव्वे ठेकों पर बिकने बंद हो जाएंगे। इसके स्थान पर टेट्रा पैक उतारे जाएंगे। यह व्यवस्था आबकारी विभाग द्वारा शराब माफियाओं का नेटवर्क तोड़ने के लिए की जा रही है। बता दें कि अंग्रेजी शराब की कुछ ब्रांड टेट्रा पैक में बिक रहीं हैं। अब इसी कड़ी में प्लास्टिक की बोतलों में बिकने वाली देसी शराब को भी पव्वे के स्थान पर अब टेट्रा पैक में जल्द उतारने की बात कही जा रही है।

मेरठ जिले हर माह करीबन 10 लाख लीटर देसी शराब की खपत होती है। यह देसी शराब दौराला, सिंभावली हापुड़, मंसूरपुर और वेव अलीगढ़ डिस्टलरी से सप्लाई होती है। सूत्रों की माने तो हाल ही में अवैध शराब के खेल के खुलासे में पता चला है कि पव्वे में मिलने वाली देसी शराब की पैकिंग की नकल बेहद आसान है। शराब माफिया इसकी नकल करते हुए अवैध और जहरीली शराब को बाजार में आसानी स उतार देते हैं। इसका बड़ा उदाहरण पिछले दिनों अलीगढ़ में देखने को मिला था। जहां 100 से ज्यादा लोगों की मौत जहरीली शराब पीने के कारण हुई थी। यही वजह है कि अब आबकारी विभाग पव्वे के स्थान पर टेट्रा पैक उतारने की तैयारी कर रहा है।

अगर अकेले मेरठ जिले की बात करें तो अमूमन यहां हर माह करीब 10 लाख लीटर देसी शराब खपत होती है। फिल्हाल हर माहलगभग 50 लाख पव्वों की सप्लाई हो रही है। जानकारी के अनुसार शासन के आदेश है कि पव्वों को पूरी तरह खत्म कर टेट्रा पैक को ही बढ़ावा दिया जाए, ताकि लोगों की जान भी सुरक्षित रहे और प्लास्टिक से पर्यावरण को भी नुकसान न हो। आबकारी विभागअब इसकी तैयारी में जुटा है कि जल्द से जल्द हर माह जिले में 50 लाख टेट्रा पैक की सप्लाई की जाए।

बता दें कि आबकारी विभाग अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने के लिए तमाम उपाय कर चुका है, लेकिन माफिया कोई न कोई रास्ता निकाल ही लेते हैं। मेरठ जिला आबकारी अधिकारी आलोक कुमार ने बताया कि अब देसी शराब टेट्रा पैक के जरिये बाजार में लाने की तैयारी है। उनका मानना है कि काफी हद तक इस योजना से अवैध शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लग सकेगा।

लालू परिवार में सब कुछ ठीक नहीं! तेजप्रताप के पोस्टर से तेजस्वी गायब

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भले ही आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव अब सक्रिय राजनीति में दिखने लगे हैं। बेल मिलने और जेल से बाहर होने के बाद वह लगातार राजनीतिक गतिविधियों को लेकर बैठक रहे हैं। लेकिन जो खबरें पटना से आ रही है उसमें आरजेडी के लिए अच्छे संकेत नहीं है। आरजेडी में एक बार फिर से अंदरूनी कला की शुरुआत हो चुकी है। सूत्र बता रहे हैं कि तेजस्वी यादव और तेजप्रताप यादव में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है। यह तब सामने भी आ गया जब तेज प्रताप के कार्यक्रम के पोस्टर से तेजस्वी की फोटो गायब थी। दरअसल, पटना में आरजेडी की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें तेज प्रताप यादव मुख्य अतिथि थे। यह बैठक छात्र आरजेडी की थी। तेज प्रताप यादव छात्र आरजेडी के संरक्षक भी हैं।

इस बैठक में छात्र आरजेडी के बड़े पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष और विश्वविद्यालय अध्यक्ष भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम को लेकर पटना में जगह-जगह पोस्टर और बैनर लगाए गए थे। इस पोस्टर में लालू प्रसाद यादव और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की फोटो थी। छात्र आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष आकाश यादव को भी तस्वीर में जगह दी गई थी। लेकिन हैरानी की बात है कि आरजेडी के पोस्टर बॉय तेजस्वी यादव गायब थे। जब इसी को लेकर तेजप्रताप से मीडिया ने सवाल किया तो उन्होंने कहा कि तेजस्वी मेरे दिल में है। होर्डिंग और पोस्टर से क्या होता है। तेजस्वी मेरे अर्जुन है और होने वाले मुख्यमंत्री हैं। इस पर अब राजनीति शुरू हो गई है। जदयू प्रवक्ता अभिषेक झा ने कहा कि लालू परिवार हमेशा अवसरवादी होने का सबूत पेश करता है। चुनाव से पहले तेजस्वी ने लालू और राबड़ी का फोटो हटा दिया था। अब चुनाव बाद लालू और राबड़ी वापस आ गए लेकिन तेज प्रताप के पोस्टर से उनके भाई ही निकल गए।

दूसरी ओर खबर यह भी है कि आरजेडी में तेजस्वी यादव और ग्रुप तेज प्रताप के बयानों से आज सहज होता दिखाई दे रहा है। यही कारण है कि तेज प्रताप और तेजस्वी यादव में दूरियां होने लगी है। हाल में ही राजद के एक कार्यक्रम में तेज प्रताप यादव ने प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह को हिटलर तक कह डाला था। उन्होंने कहा था कि पार्टी कार्यालय का मेन गेट अध्यक्ष की मर्जी से खुलता है और बंद होता है। पिताजी के समय यह दरवाजा हमेशा खुला रहता था। तेज प्रताप ने तो यह तक कह दिया कि कुर्सी किसी की बपौती नहीं।

आजादी के 75 साल पर एक साल तक जश्न का आयोजन करेगी कांग्रेस, स्वतंत्रता मार्च का होगा आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि वह देश की आजादी के 75 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए एक साल तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। पार्टी महासचिवों, प्रदेश प्रभारियों और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों की बैठक में यह फैसला किया गया। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने एक बयान में बताया कि बैठक में फैसला किया गया है कि आजादी के 75 साल पूरे होने पर एक साल का जश्न मनाने के लिए सभी राज्यों में समितियां गठित की जाएंगी।

उन्होंने बताया कि 14 अगस्त की शाम 'स्वतंत्रता एवं शहीद सम्मान दिवस' मनाया जाएगा जिसके तहत विभिन्न जिलों में स्वतंत्रता सेनानियों और उनके परिवारों को सम्मानित किया जाएगा। वेणुगोपाल ने कहा कि 15 अगस्त को सुबह सात से नौ बजे के बीच सभी ब्लॉक एवं जिला कांग्रेस कमेटियों की तरफ से 'स्वतंत्रता मार्च' का आयोजन किया जाएगा। कांग्रेस नेता ने बताया कि स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े घटनाक्रमों के बारे में लोगों को बताने के लिए मीडिया अभियान चलाया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)